हकेवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम की हुई शुरुआत

हकेवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने नव नियुक्त संकायों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के बारे में चर्चा की। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी), नई दिल्ली की पूर्व शैक्षिक अधिष्ठाता प्रोफेसर सरोज बाला विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सरोज ने पर्यावरण और स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। एमएमटीटीसी-सीयूएच के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि प्रेरण कार्यक्रम के लिए देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 70 से अधिक प्रतिभागियों ने एफआईपी में पंजीकरण कराया है। उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों सहित आयोजक टीम के सदस्य उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. संतोष सीएच, डॉ. आरती यादव उपस्थित रहे।

आयोजन किया गया।

हकेवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक श्री अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है।
कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन अपने आप में अनोखा है और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन हेतु मंच प्राप्त होता है। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर पल में सीखने के अवसर उपलब्ध रहते हैं। कुछ नया सीखें और आगे बढ़ें। जहाँ तक विश्वविद्यालय की बात है तो विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयासरत है और ऐसा मेरा विश्वास है कि विद्यार्थी अपने परिश्रम से हर मुश्किल को आसान बना लेंगे और सपनों को साकार करेंगे। आयोजन में विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। डॉ. ऊषा अरोड़ा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व शिक्षकों को आपसी व्यवहार व व्यक्तित्व के विकास के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में श्री अनिल कौशिक ने युवा शक्ति और उसकी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए युवाओं को कर्त्तव्यों के प्रति सजग किया। उन्होंने कहा कि यह समय उन्नति का है, विकास का है और युवाओं पर ही राष्ट्र निर्माण का दारोमदार है। इसलिए विद्यार्थियों से मेरा अनुरोध है कि वे देश के निर्माण में योगदान दें।
कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों के उत्साह को विश्वविद्यालय की प्रगति से जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह से विद्यार्थी निरंतर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शिक्षित बनें, दीक्षित बनें, सभ्य बनें और सुसंस्कृत बनें। उन्होंने आयोजन के संबंध में कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत की परवाह ने करते हुए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करें। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

हकेवि के मंच पर दिखी अवध से उत्तर पूर्व तक की सांस्कृतिक झलक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर गुरुवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेर्स्टन डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला। जहां तक प्रस्तुतियों की बात है तो पंजाब के भंगडे और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरीं। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2024 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य सूमह गायन, फाइन आर्टस में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हकेवि के मंच पर दिखी अवध से उत्तर पूर्व तक की सांस्कृतिक झलक

महेन्द्रगढ़,चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर गुरुवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो।

इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया।

अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेस्टर्न डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला।

जहाँ तक प्रस्तुतियों की बात है तो पंजाब के भंगडे और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरीं। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2024 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य सूमह गायन, फाइन आर्टस में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हकेवि के मंच पर दिखी अवध से उत्तर पूर्व तक की सांस्कृतिक झलक

मनोज गोयल गुडियानिया
महेंद्रगढ़ (रण टाइम्स)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर गुरुवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेर्स्टन डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला। जहाँ तक प्रस्तुतियों की बात है तो पंजाब के भंगडे और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरीं। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2024 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य सूमह गायन, फाइन आर्टस में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हकेवि के मंच पर दिखी अवध से उत्तर पूर्व तक की सांस्कृतिक झलक

मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़ (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर गुरुवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेर्स्टन डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला। जहाँ तक प्रस्तुतियों की बात है तो पंजाब के भंगडे और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरीं। आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2024 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस; संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य सूमह गायन, फाइन आर्टस में पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उत्सव का मंच...

संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्पंदन कार्यक्रम का आज समापन हुआ। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी। >>संबंधित खबर पेज 4 पर

हकेवि डीएसीई की छात्रा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस की प्रारंभिक परीक्षा में पाई सफलता

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस (एचसीएस) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। कुलपति ने डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार व शिक्षकों के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने इतने कम समय में उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में यह केंद्र विगत दो वर्षों से यूपीएससी व एचसीएस की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित हरियाणा राज्य का एकमात्र कोचिंग संस्थान है। इस केंद्र में देशभर के अनुसूचित जाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को कोचिंग प्रदान की जाती है।

हकेवि में देखने को मिला भारतीय कला-संस्कृति को बेजोड़ संगम

» हकेवि में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का हुआ समापन » रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने बढ़ाई समापन सत्र में बिखेरा रंग

महेंद्रगढ़ (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मुख्य अतिथि के रूप गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षणिक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी और कहा कि यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कुलपति ने अपने संबोधन में शिक्षको को पुरस्कृत करने के विषय में कहा कि इससे उनमें विद्यार्थियों के प्रति और अधिक मेहनत के साथ काम करने का भाव पैदा होगा। कुलपति ने दो दिवसीय आयोजन में सम्मिलित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि सभी को पुरस्कार मिल पाना संभव नहीं है लेकिन उनका प्रयास महत्त्वपूर्ण है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी सम्मानितजनों को बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रयास उल्लेखनीय और अनुसरणीय है। अवश्य ही वे अन्य सहयोगियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने आंतरिक गुणवत्ता व आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कारों के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर सभी सहभागियों के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता के अवसर विकसित किए गए हैं।

हकेवि में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का हुआ समापन

■हकेवि में देखने को मिला भारतीय कला-संस्कृति को बेजोड़ संगम

मनोज गोयल गुडियानिया
महेंद्रगढ़ (रण टाइम्स) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मुख्य अतिथि के रूप गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षणिक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व

❖ रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने बढ़ाई समापन सत्र में बिखेरा रंग

प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी और कहा कि यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कुलपति ने अपने संबोधन में शिक्षको को पुरस्कृत करने के विषय में कहा कि इससे उनमें विद्यार्थियों के प्रति और अधिक मेहनत के साथ काम करने का भाव पैदा होगा। कुलपति ने दो दिवसीय आयोजन में सम्मिलित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि सभी को पुरस्कार मिल पाना संभव नहीं है लेकिन उनका प्रयास महत्त्वपूर्ण है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी सम्मानितजनों को बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रयास उल्लेखनीय और अनुसरणीय है। अवश्य ही वे अन्य सहयोगियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने आंतरिक गुणवत्ता व आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कारों के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर सभी सहभागियों के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता के अवसर विकसित किए गए हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेनु यादव व कार्यक्रम संयोजक डॉ. आरती यादव सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. रूपेश देशमुख पीएस खानखोजे गोल्ड मेडल से हुए सम्मानित

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सहआचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित डॉ. पीएस खानखोजे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस उपलब्ध्धि के लिए डॉ. रूपेश देशमुख को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान और मूल्यवान सेवाओं को शामिल करते हुए डॉ. देशमुख के सराहनीय कार्य का प्रमाण हैं। डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि उन्हें यह सम्मान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला के 38वें दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। यह विशिष्ट सम्मान डॉ. पी.एस. खानखोजे के नाम पर रखा गया है। डॉ. खानखोजे स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक दोनों के रूप में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। डॉ. देशमुख इससे पहले भी एनएएसआई स्कोपस यंग साइंटिस्ट अवाड और इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग की फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनका समर्पण उन्हें अकादमिक और अनुसंधान के मोर्चे पर एक अलग पहचान देता है।

हकेंवि के डॉ. रूपेश देशमुख गोल्ड मेडल से सम्मानित

महेन्द्रगढ़, 4 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सह आचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित डॉ. पीएस खानखोजे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. रूपेश देशमुख को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान और मूल्यवान सेवाओं को शामिल करते हुए डॉ. देशमुख के सराहनीय कार्य का प्रमाण हैं। डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि उन्हें यह सम्मान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला के 38वें दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। यह विशिष्ट सम्मान डॉ. पी.एस. खानखोजे के नाम पर रखा गया है। डॉ. खानखोजे स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक के रूप में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं। डॉ. देशमुख इससे पहले भी एनएएसआई स्कोपस यंग साइंटिस्ट अवार्ड और इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग की फ़ेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचार उत्सव कल

महेंद्रगढ़, 4 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए 6 मार्च को अंतर विश्वविद्यालय हकेंवि संचार उत्सव-2024 का आयोजन करेगा। इस वार्षिक उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेंवि संचार उत्सव का आयोजन कर रहा है। इसमें विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद-विवाद, शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, कविता पाठ, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थियों द्वारा ही आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरूआत हो गई। 05 से 08 मार्च, 2024 तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है।अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की हुई शुरूआत

- आईएपीटी, सीडीपीई व सीआईएसटी के सहयोग से हुई शुरूआत
- मॉडल्स की मदद से विज्ञान के ज्ञान की समझ होगी आसान

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। विज्ञान सभी के लिए: खेल, आनंद लें और सीखेंह्र के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरूआत की गई है। विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित इस गैलरी के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो. वाईके विजय उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ।

हकेवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरूआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक, के प्रति युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गैलरी के माध्यम से आंगतुकों को खेल-खेल में आनंद लेते हुए विज्ञान के व्यावहारिक ज्ञान को जानने समझने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि आज ही नहीं बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। छोटे-छोटे उदाहरणों व व्यावहारिक मॉडल्स के माध्यम से हम विज्ञान के गूढ़ ज्ञान को सहज ही समझ सकते हैं। इस प्रयास के माध्यम से ऐसी ही कौशिश की गई है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुआ कहा कि उनके सहयोग से ही यह गैलरी स्थापित हो सकी है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ यह गैलरी स्थानीय स्कूलों के बच्चों के लिए भ्रमण हेतु उपलब्ध रहेगी।

आयोजन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सीयूएच साइंस गैलरी की शुरूआत के अवसर पर कहा कि यह गैलरी विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने और तथ्यात्मकता के साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने और स्वीकार करने के दिशा में सहयोगी की भूमिका निभायेंगी। उन्होंने इस मौके पर इस गैलरी की शुरूआत में सहयोग देने वाले भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के प्रो. वाईके विजय व उनके सहयोगी डॉ. कैलाश शर्मा के प्रति भी आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही हम मिलकर इस ईनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी के निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैलरी में प्रमुख रूप से एयर ट्रेक, प्लाज्मा स्टेट, डोप्लर इफैक्ट, वोरटेक्स फोर्मेशन आदि से संबंधित मॉडल्स प्रदर्शित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में साइंस गैलरी के उद्घाटन के अवसर पर शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. आकाश सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, डॉ. अंकुश विज, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रामअवतार, डॉ. मीनू ठाकुर, डॉ. जसवंत कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी, अधिकारी उपस्थित रहे।

हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 05 से 08 मार्च, 2024 तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से श्री अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो.आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय रुबिकॉन बर्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए विशेषज्ञों के साथ कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 5 से 8 मार्च तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से श्री अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो.आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है।

डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 05 से 08 मार्च, 2024 तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से श्री अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो.आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

हकेवि में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की हुई शुरुआत

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। 'विज्ञान सभी के लिए- खेल, आनंद लें और सीखें' के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित इस गैलरी के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो.वाईके विजय उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने की। यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ। हकेवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरुआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो.वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक, के प्रति युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गैलरी के माध्यम से आंगतुकों को खेल-खेल में आंनद लेते हुए विज्ञान के व्यावहारिक ज्ञान को जानने समझने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि आज ही नहीं बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। छोटे-छोटे उदाहरणों व व्यावहारिक मॉडल्स के माध्यम से हम विज्ञान के गूढ ज्ञान को सहज ही समझ सकते हैं। इस प्रयास के माध्यम से ऐसी ही कोशिश की गई है। उन्होंने इस मौके पर इस गैलरी की शुरुआत में सहयोग देने वाले भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के प्रो. वाईके विजय व उनके सहयोगी डॉ. कैलाश शर्मा के प्रति भी आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही हम मिलकर इस ईनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी के निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैलरी में प्रमुख रूप से एयर ट्रेक, प्लाज्मा स्टेट, डोप्लर इफैक्ट, वोरटेक्स फोर्मेशन आदि से संबंधित मॉडल्स प्रदर्शित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में साइंस गैलरी के उद्घाटन के अवसर पर शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो.सुरेंद्र सिंह, प्रो.विनोद कुमार, प्रो.आकाश सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक प्रो.राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ.विकास कुमार, डॉ.अंकुश विज, डॉ.राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ.सुनीता तंवर, डॉ.राकेश कुमार, डॉ.रामअवतार, डॉ.मीनू ठाकुर, डॉ.जसवंत कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी, अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिया उत्सव का हुआ आयोजन

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा बुधवार को मीडिया फेस्ट 2024 का आयोजन किया। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को संचार उत्सव की बधाई देते हुए संचार की महत्त्व को बताया और कहा कि देश को राह दिखाने में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहता है। पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विभाग मीडिया फेस्ट 2024 के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया और संचार के क्षेत्र में उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। यह आयोजन न केवल प्रतिभागियों के कौशल को प्रदर्शित करता है बल्कि नवाचार और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। डॉ. अशोक कुमार ने

प्रभावी संचार, प्रतिभा प्रदर्शन और रचनात्मकता की महत्वपूर्ण भूमिका के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि आयोजन में कविता पाठ, वाद-विवाद, एंकरिंग और ओपन माइक जैसे आकर्षक कार्यक्रम भी शामिल थे, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को खुद को अभिव्यक्त करने और विचारोत्तेजक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम शुरू

महेंद्रगढ़। हकेंवि महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नव नियुक्त संकायों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के बारे में चर्चा की।

उद्‌घाटन सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) नई दिल्ली की पूर्व शैक्षिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रही। प्रो. सरोज ने पर्यावरण और स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। एमएमटीटीसी-सीयूएच के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि प्रेरणा कार्यक्रम के लिए 70 से अधिक प्रतिभागियों नें पंजीकरण कराया है। उद्‌घाटन सत्र में प्रतिभागियों सहित आयोजक टीम के सदस्य उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र, डॉ. संतोष, डॉ. आरती यादव उपस्थित रहे। संवाद

शानदार प्रस्तुति...

स्रोत : हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित स्पंदन कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच पर अवध से उत्तर पूर्व तक की झलक दिखाई दी। इस मौके पर कार्यक्रम में प्रस्तुति देते छात्र। <<संबंधित खबर पेज 4 पर

हकेंवि में अवध से उत्तर पूर्व तक की दिखी झलक

पंजाब के भंगड़े और हरियाणवी डांस पर जमकर बजी तालियां, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्पंदन का आज होगा समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के मंच पर वीरवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली।

10
राज्यों की संस्कृति की झलक प्रस्तुत की

विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेंवि के मंच पर उतर आया हो। इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोककला-संस्कृति का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया।

आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूम उठा। दर्शकों ने मंजीत की कला की प्रशंसा करते हुए ताली बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेस्टर्न डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला। पंजाब के भंगड़े और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने बताया कि स्पंदन 2024 के पहले दिन उद्घाटन सत्र में राज्य केंद्रित लोक नृत्यों की प्रस्तुति के बाद डांस की श्रेणी में लोक, ट्राइबल व क्लासिकल डांस, संगीत की श्रेणी में लाइट वोकल इंडियन व वेस्टर्न, भारतीय व पाश्चात्य समूह गायन, पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, कोलाज, पोस्टर मेकिंग व फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मौजूद रहे।

हकेंवि में आयोजित स्पंदन कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। स्रोत: हकेंवि

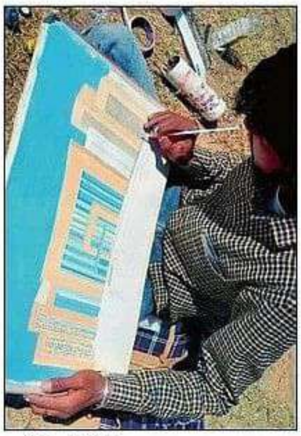
हकेंवि की पेंटिंग बनाता छात्र। स्रोत: हकेंवि

हकेंवि में आयोजित स्पंदन कार्यक्रम में रंगोली बनाती छात्रा। स्रोत: हकेंवि

डॉ. ऊषा अरोड़ा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। स्रोत:हकेंवि

हकेंवि के 15 साल पूरे होने पर वार्षिकोत्सव आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ।

विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पिछले 15 वर्षों का यह सफर विवि के लिए उपलब्धियों से भरा रहा है। लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे।

देशभर के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों से टीमें हुई शामिल

प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय व निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

हकेंवि वार्षिकोत्सव स्पंदन: पहले दिन विद्यार्थियों ने भारत की श्रेष्ठ सांस्कृतिक झलक की प्रस्तुत

महेंद्रगढ़ | हकेंवि ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में गुरुवार दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। विश्वविद्यालय की सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों के उत्साह को विश्वविद्यालय की प्रगति से जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह से विद्यार्थी निरंतर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेनु यादव, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. मुलाका मारुति सहित शिक्षकों, विभिन्न समिति के सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्वयंसेवकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वार्षिकोत्सव स्पंदन में अतिथियों का अभिनंदन करते वीसी|

हकेंवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डा. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ संस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन अपने आप में अनोखा है और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्राप्त होता है। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर पल में सीखने के अवसर उपलब्ध रहते हैं। कुछ नया सीखें और आगे बढ़ें। जहां तक विश्वविद्यालय की बात है तो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है और ऐसा उनका विश्वास है कि विद्यार्थी अपने परिश्रम से हर मुश्किल को आसान बना लेंगे और सपनों को साकार करेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि अनिल कौशिक को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर • जागरण

आयोजन में विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डा. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। ऊषा अरोड़ा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व शिक्षकों को आपसी व्यवहार व व्यक्तित्व के विकास के प्रति जागरूक किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल, इंदिरा गांधी, बीआर आंबेडकर, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, गुरुग्राम, चौधरी रणबीर सिंह, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, मेहंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

गुरु दक्षता कार्यक्रम की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। प्रोफेसर कुमार ने नव नियुक्त संकायों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के बारे में चर्चा की। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) नई दिल्ली की पूर्व शैक्षिक अधिष्ठाता प्रोफेसर सरोज बाला विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सरोज ने पर्यावरण और स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। एमएमटीटीसी-सीयूएच के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व समन्वयक डा. अमित कुमार ने बताया कि प्रेरण कार्यक्रम के लिए देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 70 से अधिक प्रतिभागियों ने एफआइपी में पंजीकरण कराया है। उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों सहित आयोजक टीम के सदस्य उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह, डा. संतोष सीएच, डा. आरती यादव उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति, विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक दिखी झलक

- आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत मंगलाचरण से हुई
- विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मंच पर बृहस्पतिवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डा. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेंवि के मंच पर उतर आया हो।

आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए।

इसी क्रम में विद्यार्थियों ने बिहार और वहां की कला-संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जबकि उत्तर पूर्व के विद्यार्थियों के प्रदर्शन से समूचा पंडाल झूमता नजर आया। आयोजन में उत्तराखंड, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगना, केरल के साथ-साथ वेस्टर्न डांस का भी जबरदस्त मेल देखने को मिला। जहां तक प्रस्तुतियों की बात है तो पंजाब के भंगड़े और हरियाणवी डांस ने खूब सुर्खियां बटोरी। साथ ही इन प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया।

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम

महेंद्रगढ़, 29 फरवरी (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) ने नवनियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। उन्होंने नवनियुक्त संकायों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर एनसीईआरटी, नयी दिल्ली की पूर्व शैक्षिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला विशेषज्ञ के रूप में मौजूद रहीं। एमएमटीटीसी-सीयूएच के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि प्रेरणा कार्यक्रम के लिए देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 70 प्रतिभागियों ने एफआईपी में पंजीकरण कराया है।

दैनिक ट्रिब्यून

वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया स्थापना दिवस

नारनौल, 29 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के 15 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने विद्यार्थियों से कहा कि कुछ नया सीखें और आगे बढ़ें। डॉ. ऊषा अरोड़ा ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को आपसी व्यवहार व व्यक्तित्व के विकास के प्रति जागरूक किया। आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेनु यादव, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. मुलाका मारुति सहित शिक्षकों, विभिन्न समिति के सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्वयंसेवकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दैनिक ट्रिब्यून

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नव नियुक्त संकायों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के बारे में चर्चा की।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की भारत की श्रेष्ठ सांस्कृतिक झलक

हकेंवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया स्थापना दिवस

25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए व कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरू हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन अपने आप में अनोखा है और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच प्राप्त होता है। कुलपति ने कहा कि जीवन के हर पल में सीखने के अवसर उपलब्ध रहते हैं। कुछ नया सीखें और आगे बढ़ें। जहां तक विश्वविद्यालय की बात है तो विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है और ऐसा मेरा विश्वास है कि विद्यार्थी अपने परिश्रम से हर मुश्किल को आसान बना लेंगे और सपनों को साकार करेंगे। आयोजन में विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। अनिल कौशिक ने युवा शक्ति और उसकी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए युवाओं को कर्त्तव्यों के प्रति सजग किया। उन्होंने कहा कि यह समय उन्नति का है, विकास का है और युवाओं पर ही राष्ट्र निर्माण का दारोमदार है। इसलिए विद्यार्थियों से मेरा अनुरोध है कि वे देश के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों के उत्साह को विश्वविद्यालय की प्रगति से जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह से विद्यार्थी निरंतर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं।

ये हुई प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, जबकि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

हकेवि के मंच पर दिखी अवध से उत्तर पूर्व तक की सांस्कृतिक झलक

महेंद्रगढ़, 29 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई और इस अवसर पर विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक नृत्य व गीत आदि के माध्यम से विविधता में एकता का परिचय देते हुए भारत की श्रेष्ठ सांस्कृति झलक प्रस्तुत की। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है और पंद्रह वर्षों का सफर इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन अपने आप में अनोखा है और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन हेतु मंच प्राप्त होता है। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर पल में सीखने के अवसर उपलब्ध रहते हैं। कुछ नया सीखें और आगे बढ़ें। जहाँ तक विश्वविद्यालय की बात है तो विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयासरत है और ऐसा मेरा विश्वास है कि विद्यार्थी अपने परिश्रम से हर मुश्किल को आसान बना लेंगे और सपनों को साकार करेंगे। आयोजन में विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। डॉ. ऊषा अरोड़ा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व शिक्षकों को आपसी व्यवहार व व्यक्तित्व के विकास के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में श्री अनिल कौशिक ने युवा शक्ति और उसकी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए युवाओं को कर्त्तव्यों के प्रति सजग किया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों के उत्साह को विश्वविद्यालय की प्रगति से जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह से विद्यार्थी निरंतर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेनु यादव, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. मुलाका मारुति सहित शिक्षकों, विभिन्न समिति के सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्वयंसेवकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यार्थियों ने किया लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन

महेंद्रगढ़, 29 फरवरी (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मंच पर गुरुवार को भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली।

विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन के उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित आयोजन स्थल पर उपस्थित दर्शकों के समक्ष विद्यार्थियों ने 10 राज्यों की कला-संस्कृति की ऐसी झलक प्रस्तुत की, मानो समूचा भारत हकेवि के मंच पर उतर आया हो। इस मंच पर भगवान श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण, भगवान शिव के साथ-साथ विद्यार्थियों ने लोक-कला संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद योग विभाग के विद्यार्थियों ने ऐसी योग प्रस्तुति दी कि हर कोई हतप्रभ रह गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मंजीत ने सुरों का ऐसा समां बांधा कि सभागार में मौजूद हर व्यक्ति झूमने पर मजबूर हो गया। अगले चरण में उत्तर प्रदेश की कला-संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने अवध, काशी व मथुरा के सीधे दर्शन कराए और मंच पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव व श्रीकृष्ण नजर आए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते छात्र।

नवोदय टाइम्स
Fri, 01 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74659014

मनीषा ने एचसीएस प्री परीक्षा में पाई सफलता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस (एचसीएस) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। कुलपति ने डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार व शिक्षकों के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने इतने कम समय में उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दी। संवाद

हकेंवि में दिखा भारतीय कला-संस्कृति का संगम

वार्षिकोत्सव का समापन, हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने दी शानदार प्रस्तुति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हुआ।

समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षणिक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी और कहा कि यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कुलपति ने अपने संबोधन में शिक्षको को पुरस्कृत करने के विषय में कहा कि इससे उनमें विद्यार्थियों के प्रति और अधिक मेहनत के साथ काम करने का भाव पैदा होगा। कुलपति ने दो दिवसीय आयोजन में सम्मिलित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि सभी को पुरस्कार मिल पाना संभव नहीं है, लेकिन उनका प्रयास महत्व है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित स्पंदन कार्यक्रम में पंजाबी नृत्य की प्रस्तृति देते प्रतिभागी। स्रोत : हकेंवि

पुरस्कृत सहभागियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

इन्हें भी मिला विशेष सम्मान, बढ़ाई उपलब्धियां

गुणवत्ता में सुधार तथा आईक्यूएसी जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के लिए अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पोषण जीवविज्ञान विभाग, तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। शिक्षणोत्तर श्रेणी में पवन कुमार, राजेश कुमार, हर्ष कुमार, दीपक कुमार, संजीव कुमार, तानिया कौशिक, संदीप कुमार व जितेंद्र कुमार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे।

हकेंवि वार्षिक बेस्ट रिसर्चर पुरस्कार 2024 में यह हुए सम्मानित

- बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. एजाज अंसारी
- बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. सुनीता तंवर
- बेस्ट रिसर्चर अन्वेषक (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मुनीष मानस
- बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मनीषा पांडे
- बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. आर.पी. पांडे
- बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. अंशु को
- बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा
- बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. रूपेश देशमुख
- बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय कुमार
- बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. पूजा यादव
- बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. रीमा गिल

दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन • विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से 12 से अधिक विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आई टीमों ने अपने हुनर का किया प्रदर्शन

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डांस की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

हकेंवि वार्षिकोत्सव स्पंदन 2024 की ट्रॉफी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के नाम रही

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में दो दिनों तक चले वार्षिकोत्सव स्पंदन 2024 की हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाम रही, लेकिन हकेंवि प्रबंधन ने आयोजक संस्थान होने के नाते इस ट्रॉफी को द्वितीय स्थान पर रहे चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा को देने का निर्णय लिया। दो दिनों तक चले इस आयोजन में डांस, म्यूजिक, फाइन आर्ट, साहित्यिक कार्यक्रम व थियेटर की श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से 12 से अधिक विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आई टीमों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन सत्र हरियाणवी कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक उपस्थित रहे और उन्होंने जमकर समां बांधा। आयोजन के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के नतीजे घोषित किए गए।

ओवरऑल ट्रॉफी के साथ देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के विद्यार्थी।

साहित्यिक कार्यक्रम...

- हिंदी कविता पाठ में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा दिल्ली यूनिवर्सिटी तृतीय
- अंग्रेजी कविता पाठ में बीपीएस खानपुर प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा सीबीएलयू तृतीय
- वाकशक्ति में सीबीएलयू प्रथम, जीजेयू हिसार द्वितीय तथा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तृतीय
- वाद-विवाद प्रतियोगिता में बीपीएस खानपुर व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा आईजीयू, सीडीएलयू व सीबीएलयू द्वितीय
- स्किट में जीजेयू हिसार प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय
- मिमिक्री में आईजीयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय
- वन एक्ट प्ले में जीजेयू हिसार प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय
- नुक्कड़ नाटक में आईजीयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय रहा।

बीपीएस खानपुर तृतीय

- वेस्टर्न वोकल सोलो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय
- ग्रुप सांग इंडियन में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय
- ग्रुप सांग वेस्टर्न में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम
- फोक आर्केस्ट्रा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा बीपीएस खानपुर द्वितीय
- वेस्टर्न म्यूजिक सोलो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी द्वितीय
- फोक ट्राइबल डांस में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी तृतीय रहा।

फाइन आर्ट श्रेणी

- ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय
- कोलाज मेकिंग में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू व जीजेयू तृतीय
- पोस्टर मेकिंग में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय
- क्ले मॉडलिंग में सीयूएच प्रथम, जीजेयू द्वितीय तथा शारदा यूनिवर्सिटी तृतीय कार्टूनिंग में सीबीएलयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा जीजेयू तृतीय
- रंगोली में सीबीएलयू प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा यूनिवर्सिटी तृतीय
- स्पॉट फोटोग्राफी में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय तथा आईजीयू तृतीय स्थान पर रहे।

मंच पर देखने को मिला भारतीय कला-संस्कृति का बेजोड़ संगम

महेंद्रगढ़| हकेंवि में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने शैक्षणिक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी को बधाई दी। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने आंतरिक गुणवत्ता व आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कारों के बारे जानकारी दी। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेनु यादव व कार्यक्रम संयोजक डॉ. आरती यादव, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

शैक्षणिक श्रेणी : बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. एजाज अंसारी को, बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. सुनीता तंवर को, बेस्ट रिसर्चर अन्वेषक (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवॉर्ड डॉ. मुनीष मानस को, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मनीषा पांडे को, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. आर.पी. पांडे को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. अंशु को बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. रूपेश देशमुख को, बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय कुमार को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. पूजा यादव को, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. रीमा गिल को, स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के सर्वेक्षण में शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल होने के लिए प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. बिजेंद्र सिंह, प्रो. मनोज कुमार सिंह, डॉ. अरुण कालरा, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. अंशु व डॉ. मनीषा पांडे को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विद्यार्थियों की श्रेणी बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर

पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अवार्ड पी. साई गणेश को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस अवॉर्ड प्रिया भारद्वाज को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस अवॉर्ड राहुल को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ एजुकेशन अवॉर्ड सिद्धार्थ साहो को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पब्लिकेशन इन स्कूल ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंसेस अवॉर्ड कविता को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पब्लिकेशन इन स्कूल बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज अवॉर्ड मनीषा को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पेटेंट इन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अवॉर्ड रजत यादव को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पेटेंट इन स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस अवॉर्ड शालेश सेबेस्टियन को, बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चर पेटेंट इन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस अवार्ड दीपिका व प्रदीप कुमार को, आउटसोर्स कर्मचारियों की श्रेणी शिवशंकर, अमरजीत सिंह, संजय कुमार, सतीश कुमार, संदीप कुमार, प्रदीप कुमार, रामकिशन, भूप सिंह, मनीष, राजेश, राजबाला, राजरानी, सुनील व कृष्ण कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में मेट्रो रेल परियोजना के समन्वय के लिए प्रो. अजय कुमार बंसल को; विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी हेतु डॉ. पूजा यादव को; तथा हकेंवि के लिए अधिकतम संख्या में पेटेंट योगदान के लिए डॉ. सचिन कुमार को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। विभागों की श्रेणी में गुणवत्ता में सुधार तथा आईक्यूएसी जानकारी समय पर उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न पहलुओं के लिए अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पोषण जीवविज्ञान विभाग, तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। शिक्षणेतर श्रेणी पवन कुमार, राजेश कुमार, हर्ष कुमार, दीपक कुमार, संजीव कुमार, तानिया कौशिक, संदीप कुमार व जितेंद्र कुमार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एचसीएस की प्रारंभिक परीक्षा में पाई सफलता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस(एचसीएस) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। कुलपति ने डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार व शिक्षकों के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने इतने कम समय में उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में यह केंद्र विगत दो वर्षों से यूपीएससी व एचसीएस की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है।

कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार के साथ छात्रा मनीषा • सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में खाने की गुणवत्ता से विद्यार्थी संतुष्ट

स्पंदन कार्यक्रम में गुणवत्ता पर उठे थे सवाल

हकेंवि में कार्यक्रम के दौरान खाने का आनंद उठाते विद्यार्थी • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 15वें स्थापना दिवस पर चल रहे स्पंदन कार्यक्रम के दौरान लोगों की विभिन्न कार्यक्रमों में खाने की शिकायत की गई है। इन शिकायत की पड़ताल की गई तो स्थिति अलग ही मिली। मौके पर खाना खा रहे विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों व रसोइयों से बातचीत की गई।

ला विभाग से विद्यार्थी विनोद शर्मा से मुलाकात की तो उन्होंने बताया कि मेरी उम्र लगभग 60 वर्ष है। वह रिटायर्ड प्रोफेसर हैं। उन्होंने अपने जीवन में बहुत सारे कार्यक्रम देखे भी है और आयोजित भी करवाएं है लेकिन हकेंवि में जिस तरह से खाने में शुद्धता एवं गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है ऐसा कहीं नहीं होता लेकिन सफाई अच्छी होती है। कारीगरों ने बहुत ही अच्छा स्वादिष्ट भोजन बनाया है जो कि साधारण है और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। खास बात यह रही है कि हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, डीएसडब्ल्यू आनंद शर्मा विद्यार्थियों के साथ खाना खाते है। ज्यादातर जगहों पर वीआईपी खाना अलग होता है और विद्यार्थियों का खाना अलग होता है। दूसरे कालेज झोझू कलां से आई छात्राओं ने भी खाने की सराहना की।

छात्रा कोमल ने खाने को लेकर हलवाईयों की सराहना की। उन्होंने बताया कि हकेंवि का खाना बहुत ही स्वाद एवं स्वादिष्ट था। जिसकी जितनी तारिफ की जाएं उतनी कम है।
–कोमल, एनएनएस छात्रा

कानून की पढ़ाई कर रहे विनोद शर्मा ने कहा कि वह पहले प्रोफेसर रहा हैं और अब वह रिटायर्ड भी चुके है तथा हकेंवि के ला कर रहे हैं। आज मैनें हकेंवि का जो खाना देखा अति उत्तम एवं गुणवत्तापूर्वक रहा।
–विनोद शर्मा, ला विद्यार्थी

विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की सराहना की

विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत सहभागियों को सम्मानित करते हुए • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मुख्य अतिथि के रूप गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षणिक, शिक्षणेत्तर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी। कुलपति ने दो दिवसीय आयोजन में सम्मिलित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि सभी को पुरस्कार मिल पाना संभव नहीं है लेकिन उनका प्रयास महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि उनका प्रयास उल्लेखनीय और अनुसरणीय है।

एचसीएस की प्रारंभिक परीक्षा में पाई सफलता

कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार के साथ छात्रा मनीषा • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस(एचसीएस) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। कुलपति ने डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार व शिक्षकों के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने इतने कम समय में उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में यह केंद्र विगत दो वर्षों से यूपीएससी व एचसीएस की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है।

मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस की प्रारंभिक परीक्षा में पाई सफलता

- हकेंवि के केंद्र में देशभर के एससी बच्चों को दी जाती है यूपीएससी की नि:शुल्क कोचिंग
- विश्विद्यालय के कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार व अन्य ने दी मनीषा को दी बधाई

महेंद्रगढ़। कुलपति के साथ छात्रा मनीषा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस (एचसीएस)-2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। कुलपति ने डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार व शिक्षकों के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने इतने कम समय में उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी भूमिका को दर्शाया है।

डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में यह केंद्र विगत दो वर्षों से यूपीएससी व एचसीएस की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुमोदित हरियाणा राज्य का एकमात्र कोचिंग संस्थान है। इस केंद्र में देशभर के अनुसूचित जाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को कोचिंग प्रदान की जाती है।

हकेंवि में देखने को मिला भारतीय कला एवं संस्कृति का बेजोड़ संगम

हकेंवि के वार्षिकोत्सव में रामकेश व हरिओम कौशिक ने बिखेरे रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की मुख्य अतिथि के रूप गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंग बिखेरा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों के माध्यम से समूची विकास यात्रा का स्मरण किया और भविष्य की कार्ययोजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर शैक्षणिक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी, शोधार्थी व आउटसोर्स के सभी सहभागियों को उन्हें प्राप्त पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के लिए बधाई दी और कहा कि यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। कुलपति ने अपने संबोधन में शिक्षको को पुरस्कृत करने के विषय में कहा कि इससे उनमें विद्यार्थियों के प्रति और अधिक मेहनत के साथ काम करने का भाव पैदा होगा। कुलपति ने दो दिवसीय आयोजन में सम्मिलित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों की भी सराहना की और कहा कि सभी को पुरस्कार मिल पाना संभव नहीं है, लेकिन उनका प्रयास महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी सम्मानितजनों को बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रयास उल्लेखनीय और अनुसरणीय है। अवश्य ही वे अन्य सहयोगियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने आंतरिक गुणवत्ता व आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कारों के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर सभी सहभागियों के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता के अवसर विकसित किए गए हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेनु यादव व कार्यक्रम संयोजक डॉ. आरती यादव सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

नारनौल। केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुरस्कार प्रदान करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

> आयोजन में समापन सत्र में हरियाणवी लोक कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने बांध समां

वार्षिक पुरस्कार की सूची (शैक्षणिक श्रेणी)

- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. एजाज अंसारी को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. सुनीता तंवर को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर अन्वेषक (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मुनीष मानस को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मनीषा पांडे को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. आर.पी. पांडे को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. अंशु को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. रूपेश देशमुख को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय कुमार को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. पूजा यादव को,
- ▶▶| बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. रीमा गिल को दिया गया।

प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सर्वेक्षण में शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल होने के लिए प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. बिजेंद्र सिंह, प्रो. मनोज कुमार सिंह, डॉ. अरुण काजला, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. अंशु व डॉ. मनीषा पांडे को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसी क्रम में मेट्रो रेल परियोजना के समन्वय के लिए प्रो. अजय कुमार बंसल को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी हेतु डॉ. पूजा यादव को तथा हकेंवि के लिए अधिकतम संख्या में पेटेंट योगदान के लिए डॉ. सविता बुधवार को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

हकेवि डीएसीई की छात्रा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस की प्रारंभिक परीक्षा में पाई सफलता

महेंद्रगढ़, 1 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) में अध्ययनरत छात्रा मनीषा ने हरियाणा सिविल सर्विसेस(एचसीएस) 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनीषा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दी। डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने मनीषा एवं शिक्षकों को उनकी मेहनत व लगन के लिए शुभकामनाएं दीं।

नवोदय टाइम्स
Sat, 02 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/746

हकेंवि ने जीतकर भी सीडीएलयू को दी ट्रॉफी

समापन सत्र में रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक ने बढ़ाया कलाकारों का हौसला

हकेंवि में आयोजित स्पंदन कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी के साथ कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार व अन्य। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में दो दिनों तक चले वार्षिकोत्सव स्पंदन 2024 की ट्रॉफी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाम रही।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रतिनिधियों ने आयोजक संस्थान होने के नाते इस ट्रॉफी को द्वितीय स्थान पर रहे चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) सिरसा देने का निर्णय लिया।

दो दिनों तक चले इस आयोजन में डांस, म्यूजिक, फाइन आर्ट, साहित्यिक कार्यक्रम व थियेटर की श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से 12 से अधिक विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आई टीमों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन सत्र हरियाणवी कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक उपस्थित रहे और उन्होंने जमकर समा बांधा। आयोजन के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के नतीजे घोषित किए गए।

यह रहे विजेता : म्यूजिक श्रेणी क्लासिकल वोकल सोलो भारतीय में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी द्वितीय व चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय तृतीय स्थान पर रहे। वहीं क्लासिकल वोकल सोलो की प्रथम श्रेणी में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी द्वितीय व चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय तृतीय पायदान पर रहे। शुक्रवार देर शाम तक चली प्रतियोगिताओं के क्लासिकल वोकल सोलो की प्रथम श्रेणी में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, लाइट वोकल इंडियन सोलो में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर की टीम ने तीसरा स्थान पाया। वहीं वेस्टर्न वोकल सोलो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय पायदान पर रही। ग्रुप सांग इंडियन में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय व बीपीएस खानपुर तृतीय, ग्रुप सांग वेस्टर्न में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम, फोक आर्केस्टा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम व बीपीएस खानपुर द्वितीय रहा।

साहित्यिक कार्यक्रमों में इनके सिर सजा ताज

हिंदी कविता पाठ में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय व दिल्ली यूनिवर्सिटी तृतीय, अंग्रेजी कविता पाठ में बीपीएस खानपुर प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय व सीबीएलयू तृतीय स्थान पर रहा। वाक्शक्ति में सीबीएलयू प्रथम, जीजेयू हिसार द्वितीय तथा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तृतीय स्थान पर। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बीपीएस खानपुर व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम व आईजीयू, सीडीएलयू व सीबीएलयू द्वितीय, स्किट में जीजेयू हिसार प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय, मिमिकरी में आईजीयू पहले स्थान पर। सीयूएच द्वितीय व बीपीएस खानपुर तृतीय, वन एक्ट प्ले में जीजेयू हिसार प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय, नुक्कड़ नाटक में आईजीयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय व बीपीएस खानपुर तृतीय स्थान पर। फाइन आर्ट श्रेणी ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय, कोलाज मेकिंग में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू व जीजेयू तृतीय स्थान पर। पोस्टर मेकिंग में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय व सीडीएलयू तृतीय स्थान पर रहा। जबकि क्ले मॉडलिंग में सीयूएच प्रथम, जीजेयू द्वितीय तथा शारदा यूनिवर्सिटी तृतीय, कॉर्टूनिंग में सीबीएलयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय व जीजेयू तृतीय, रंगोली में सीबीएलयू प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा यूनिवर्सिटी तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय व आईजीयू तृतीय स्थान पर रहे।

CDLU Sirsa rocks show at inter-varsity Spandan fest

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, MARCH 2

Chaudhary Devi Lal University (CDLU), Sirsa, clinched the overall trophy at the prestigious inter-university cultural fest 'Spandan-2024', organised at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh.

The event witnessed participation from students of various universities across the country.

Director Youth Welfare (DYW) at CDLU, Manju Nehra, said the students showcased their talent in the event and won the trophy. She said the students bagged 16 medals in various cultural competitions, bringing laurels to the institution.

While crediting the students for the success, Nehra said under the leadership of ADYW Rajesh Kumar, Yakshita and Snehlata, a group of 40 talented students represented the university at the event.

CDLU students celebrate their victory at the Central University of Haryana, Mahendragarh.

The competitions covered a diverse range of categories, including music, dance, literature, theatre and fine arts. CDLU secured the first position in seven events, second rank in six events and third spot in three events.

The university won the first spot in the classical solo singing, light vocal Indian singing, Indian group song, along with folk dance, poetry and mehndi competitions.

Meanwhile, it grabbed the second spot in western solo singing, speech, debate, skit, rangoli and poster making. CDLU students also secured the third spot in one-act play, painting and collage making.

Vice-Chancellor Prof Ajmer Singh Malik and Registrar Rajesh Kumar Bansal congratulated the students and appreciated the efforts made by them.

"The victory at Sapandan-2024 not only underscores the exceptional talent nurtured at CDLU, Sirsa, but also reaffirms the university's commitment to excellence in both academics and extracurricular activities," said the VC.

डॉ. रूपेश खानखोजे गोल्ड मेडल से सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सह आचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित डॉ. पीएस खानखोजे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस उपलब्धि के लिए डॉ. रूपेश देशमुख को बधाई दी है।

डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि उन्हें यह सम्मान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला के 38वें दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। यह विशिष्ट सम्मान डॉ. पी.एस. खानखोजे के नाम पर रखा गया है। डॉ. खानखोजे स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक दोनों के रूप में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं।

डॉ. देशमुख इससे पहले भी एनएएसआई स्कोपस यंग साइंटिस्ट अवार्ड और इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग की फ़ेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनका समर्पण एक अलग पहचान देता है। संवाद

हकेंवि में 6 मार्च को होगा संचार उत्सव का आयोजन

11 प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक प्रतिभागी होंगे शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए 6 मार्च को संचार उत्सव 2024 का आयोजन कर रहा है।

एक दिवसीय वार्षिक उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेंवि संचार उत्सव का आयोजन करने जा रहा है।

आयोजन में विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद विवाद, शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, रील मेकिंग, कविता पाठ, एड मेड शो, पीस टू कैमरा, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थियों द्वारा ही आयोजित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह व डॉ. भारती बत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

केंद्रीय विवि के डॉ. रूपेश देशमुख पीएस खानखोजे गोल्ड मेडल से हुए सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सहआचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित डॉ. पीएस खानखोजे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस उपलब्धि के लिए डॉ. रूपेश देशमुख को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान और मूल्यवान सेवाओं को शामिल करते हुए डॉ. देशमुख के सराहनीय कार्य का प्रमाण हैं। डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि उन्हें यह सम्मान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अकोला के 38वें दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। यह विशिष्ट सम्मान डॉ. पी.एस. खानखोजे के नाम पर रखा गया है। डॉ. खानखोजे स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक दोनों के रूप में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। डॉ. देशमुख इससे पहले भी एनएएसआई स्कोपस यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड और इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग की फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनका समर्पण उन्हें अकादमिक और अनुसंधान के मोर्चे पर एक अलग पहचान देता है।

हकेंवि में कल होगा संचार उत्सव का आयोजन

महेंद्रगढ़| हकेंवि, महेंद्रगढ़ का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए 6 मार्च को अंतर विश्वविद्यालय हकेंवि संचार उत्सव 2024 का आयोजन करने जा रहा है। इस उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेंवि संचार उत्सव का आयोजन करने जा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद विवाद, शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, रील मेकिंग, कविता पाठ, एड मेड शो, पीस टू कैमरा, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह व डॉ. भारती बत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

11 प्रतियोगिताओं में शामिल होंगे 200 से अधिक विद्यार्थी

- विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे
- टंकेश्वर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को करेंगे सम्मानित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए छह मार्च को अंतर विश्वविद्यालय हकेंवि संचार उत्सव 2024 का आयोजन करने जा रहा है। इस एक दिवसीय वार्षिक उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेंवि संचार उत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद विवाद, शार्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, रील मेकिंग, कविता पाठ, एड मेड शो, पीस टू कैमरा, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं।

यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थियों द्वारा ही आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डा. नीरज कर्ण सिंह व डा. भारती बत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

हकेंवि में छह मार्च को होगा उत्सव का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए छह मार्च को अंतर विश्वविद्यालय हकेंवि संचार उत्सव-2024 का आयोजन करने जा रहा है।

इस एक दिवसीय वार्षिक उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेंवि संचार उत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद-विवाद, शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, रील मेकिंग, कविता पाठ, एड मेड-शो, पीस-टू कैमरा, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थियों द्वारा ही आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह व डॉ. भारती बत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

हकेवि में कल होगा संचार उत्सव का आयोजन

महेंद्रगढ़, 4 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए 6 मार्च को अंतर विश्वविद्यालय हकेवि संचार उत्सव 2024 का आयोजन करने जा रहा है। इस एक दिवसीय वार्षिक उत्सव में मीडिया व दूसरे विभागों के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मीडिया की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने के लिए इस वर्ष हकेवि संचार उत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विद्यार्थियों के लिए प्रेस रिलीज लेखन, फीचर लेखन, वाद विवाद, शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फोटोग्राफी, रील मेकिंग, कविता पाठ, एड मेड शो, पीस टू कैमरा, एंकरिंग जैसी प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थियों द्वारा ही आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह व डॉ. भारती बत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पंजीकरण करवाया है।

नवोदय टाइम्स Tue, 05 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74

हकेंवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 05 से 08 मार्च तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगंबर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को विशेषज्ञों का स्वागत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस कार्यक्रम का समन्वय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार आदि मौजूद रहे। संवाद

हकेंवि में इनोवेशन हब साइंस गैलरी की शुरुआत हुई

आईएपीटी, सीडीपीई व सीआईएसटी के सहयोग से हुई शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विज्ञान सभी के लिए खेल, आनंद लें और सीखें के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरुआत की गई है।

विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित इस गैलरी के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि बीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो. वाईके विजय उपस्थित रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। मुख्य अतिथि प्रो. वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक, के प्रति युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गैलरी के माध्यम से आंगतुकों को खेल-खेल में आंनद लेते हुए विज्ञान के व्यावहारिक ज्ञान को जानने समझने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज ही नहीं बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। इस मौके पर शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. राजीव कौशिक मौजूद रहे।

इनोवेशन हब -साइंस गैलरी की शुरुआत पर कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेंवि

हकेंवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। 5 से 8 मार्च, 2024 तक चलने वाले चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय ने विस्तार से जानकारी दी। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञों का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरुण कुमार उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की हुई शुरूआत

मॉडल्स की मदद से विज्ञान के ज्ञान की समझ होगी आसान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विज्ञान सभी के लिए खेल, आनंद लें और सीखें' के उद्देश्य से हकेंवि में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरूआत की गई। विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार, सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो.वाईके विजय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने की।

यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ। हकेंवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरूआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो.वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज ही नहीं, बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। व्यावहारिक मॉडल्स के माध्यम से हम विज्ञान के गूढ ज्ञान को सहज ही समझ सकते हैं। संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि यह गैलरी विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने और तथ्यात्मकता के साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने और स्वीकार करने के दिशा में सहयोगी की भूमिका निभाएंगी। जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के प्रो. वाईके विजय व उनके सहयोगी डॉ. कैलाश शर्मा के प्रति भी आभार व्यक्त किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैलरी में प्रमुख रूप से एयर ट्रेक, प्लाज्मा स्टेट, डोप्लर इफैक्ट, वोरटेक्स फोर्मेशन आदि से संबंधित

मॉडल्स प्रदर्शित किए गए हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय में साइंस गैलरी के उद्घाटन के अवसर पर शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो.सुरेंद्र सिंह, प्रो.विनोद कुमार, प्रो.आकाश सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक प्रो.राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ.विकास कुमार, डॉ.अंकुश विज, डॉ.राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुनीता तंवर आदि मौजूद थे।

हकेंवि में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आए विशेषज्ञ कुलपति के साथ • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रुबिकान बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। पांच से आठ मार्च तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकान से अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगंबर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डा. दिव्या और डा. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकान बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशाप, सेमिनार और इंटरेक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डा. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा।

हकेवि में 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

महेन्द्रगढ़, 5 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 8 मार्च तक चलने वाले इस चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विशेषज्ञों का स्वागत कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो.आकाश सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरेक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है।

दैनिक ट्रिब्यून

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आए विशेषज्ञ कुलपति के साथ। फोटो: हरिभूमि।

हकेंवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

- तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों को व्यवसाय प्रबंधन में किया जाएगा प्रशिक्षित
- कार्यक्रम में वर्कशॉप, सेमिनार और इंटरेक्टिव सत्रों का किया जाएगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरूआत हो गई। आठ मार्च तक चलने वाले इस चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगंबर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार और इंटरेक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा है।

हकेंवि में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की शुरूआत

- आईएपीटी, सीडीपीई व सीआईएसटी के सहयोग से हुई शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरूआत की गई है। विवि में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विवि, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। विवि प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित इस गैलरी के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो. वाईके विजय उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ। हकेंवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरूआत करते हुए मुख्यातिथि प्रो. वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक के प्रति युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गैलरी के माध्यम से आंगतुकों को खेल-खेल में आंनद लेते हुए विज्ञान के व्यावहारिक ज्ञान को जानने समझने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि आज ही नहीं, बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। छोटे-छोटे उदाहरणों व व्यावहारिक मॉडल्स के माध्यम से हम विज्ञान के गूढ ज्ञान को सहज ही समझ सकते हैं।

संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सीयूएच साइंस गैलरी की शुरूआत के अवसर पर कहा कि यह गैलरी विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने और तथ्यात्मकता के साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने और स्वीकार करने के दिशा में सहयोगी की भूमिका निभाएगी।

महेंद्रगढ़। गैलरी में मॉडल्स को देखते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 5 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 05 से 08 मार्च, 2024 तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो.आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

नवोदय टाइम्स Wed, 06 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/746879

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की शुरुआत

आईएपीटी, सीडीपीई व सीआईएसटी के सहयोग से हुई शुरू

मॉडल्स की मदद से विज्ञान के ज्ञान की समझ होगी आसान

महेंद्रगढ़, 5 मार्च (परमजीत, मोहन): 'विज्ञान सभी के लिए: खेल, आनंद लें और सीखें' के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गैलरी की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित इस गैलरी के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो. वाईके विजय उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ।

हकेवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरुआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुआ कहा कि उनके सहयोग से ही यह गैलरी स्थापित हो सकी है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ यह गैलरी स्थानीय स्कूलों के बच्चों के लिए भ्रमण हेतु उपलब्ध रहेगी। आयोजन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सीयूएच साइंस गैलरी की शुरुआत के अवसर पर कहा कि यह गैलरी विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने और तथ्यात्मकता के साथ उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने और स्वीकार करने के दिशा में सहयोगी की भूमिका निभायेंगी।

उन्होंने इस मौके पर इस गैलरी की शुरुआत में सहयोग देने वाले भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के प्रो. वाईके विजय व उनके सहयोगी डॉ. कैलाश शर्मा के प्रति भी आभार व्यक्त किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस गैलरी में प्रमुख रूप से एयर ट्रेक, प्लाज्मा स्टेट, डोप्लर इफैक्ट, वोरटेक्स फोर्मेशन आदि से संबंधित मॉडल्स प्रदर्शित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय में साइंस गैलरी के उद्घाटन के अवसर पर शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. आकाश सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, डॉ. अंकुश विज, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रामअवतार, डॉ. मीनू ठाकुर, डॉ. जसवंत कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी, अधिकारी उपस्थित रहे।

हकेवि में इनोवेशन हब -साइंस गैलरी का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि प्रो. वाईके विजय साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

हकेवि में स्थापित इनोवेशन हब-साइंस गैलरी में उपलब्ध मॉडल्स को देखते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नवोदय टाइम्स Wed, 06 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74687939

महिला लेखन की चुनौतियां और संभावनाओं पर मंथन

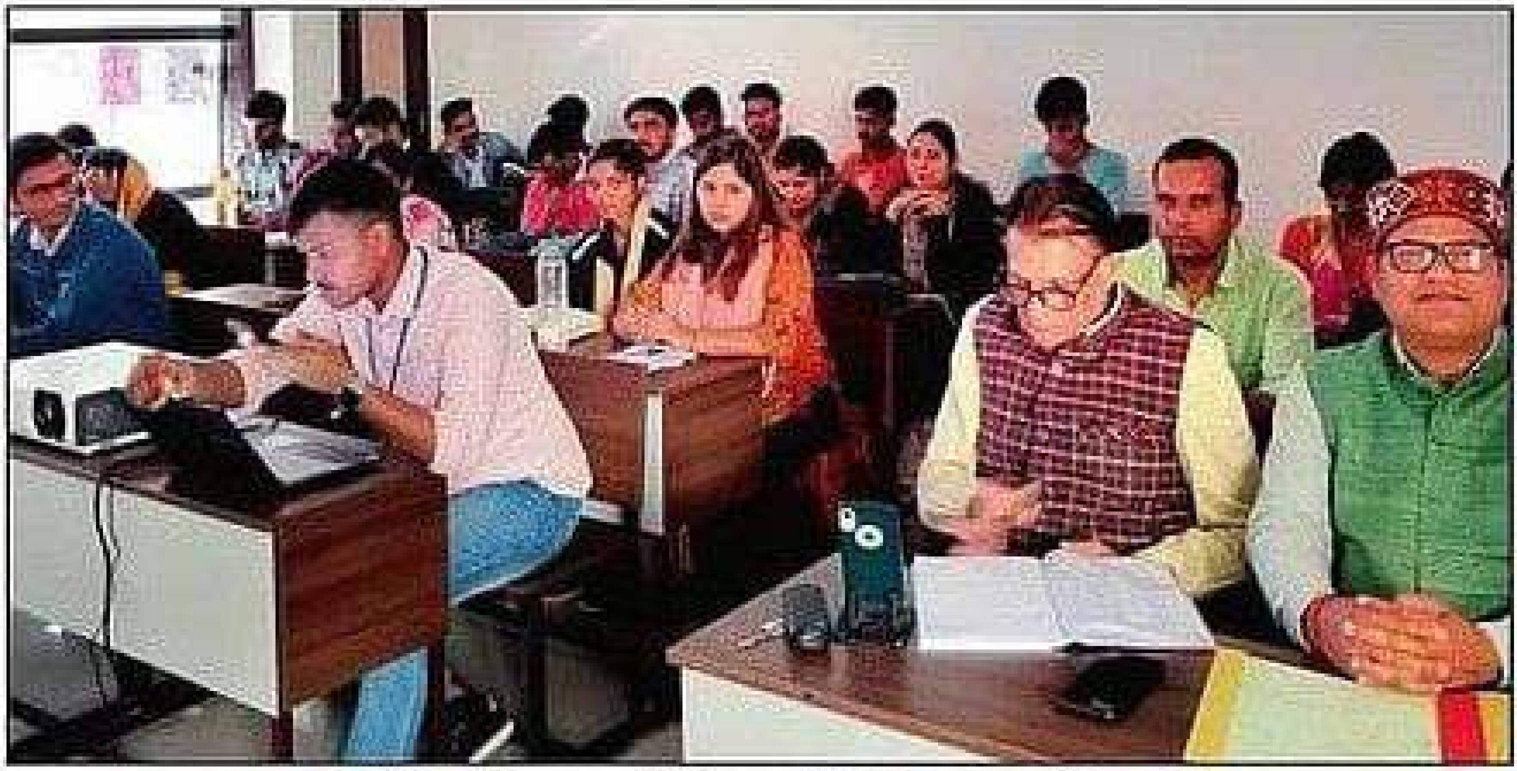

व्याख्यान में प्रतिभागिता करते विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के हिंदी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर महिला लेखन की चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कुलपति और कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्त्री लेखन एक सामाजिक सच्चाई और अस्मिता के संघर्ष की चुनौती के रूप में सामने आता है। यह स्त्री के अपने नजरिए से स्त्री लेखन का नया पाठ है।

मुख्य वक्ता डॉ. अनीता कपूर ने कहा कि पिछले कुछ दशक में हिंदी साहित्य में स्त्री लेखन का व्यापक प्रस्फुटन एक अनूठी और ऐतिहासिक घटना है। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व्यवस्था और मूल्यों, मर्यादाओं, आदर्शों और संस्कारों के विभिन्न रूपों के जरिए बड़े बारीक ढंग से इसे समाज की संरचना में बुना गया है। इसके माध्यम से पुरुष को स्त्री की तुलना में श्रेष्ठ स्थापित करने का जो षड्यंत्र रचा गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विश्वविद्यालय का विशेष फोकस है। उन्होंने कहा कि उनका चयन हमारी छात्राओं को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है। शेफाली मोहन की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने भी शेफाली मोहन को बधाई देते हुए प्लैनेट स्पार्क में चयन विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर विशेष रूप से प्रयासरत है और अभी तक लगभग 55 छात्राओं को औसतन 4.48 लाख रूपए से शुरू रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुका है। उनका चयन कंपनी की एचआर प्रबंधक (टेलेंट एक्विजिशन) इशिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के बाद हुआ है। शेफाली मोहन को प्लैनेट स्पार्क में 6.50 लाख रुपए का पैकेज प्रदान किया गया है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को एक सशक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हकेवि में केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार का हुआ भूमि पूजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर कमलों से संपन्न हुआ। भारतीय परम्परा के अनुसार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मौजूदगी में इस निर्माण कार्य की शुरूआत में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी योगदान दिया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे।

विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता श्री अमरजीत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने जा रहे केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रूपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधओं से लैस होगा। इस भवन में भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकताओं हेतु अध्ययनकक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी। इस भवन में 100 उपयोगकताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल/कांफ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मिटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, साामजिक मेलजोल, आपसी साझेदारी सुनिश्चित करने हेतु भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध रहेगा। नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटिन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसी क्रम में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है। ह्ववी आकारह्व में निर्मित होने वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले इस भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आने की संभावना है। हकेवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर

आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। सभागार में रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोधी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ट अतिथियों हेतु जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि हेतु हॉल, अग्मिशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी। सभागार वातानुकूलित, वाईवाई सुविधा से लैस होगा। सभागार के भवन का निर्माण दिव्यांगजन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। निर्धारित कार्ययोजना के अंतर्गत पुस्तकालय भवन व सभागार दोनों का निर्माण कार्य लगभग 27 महीनों में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। इस भूमि पूजन के अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. बी.पी. यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. कामराज सिंधु सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

ईवी में बैटरी की 60% लाइफ बढ़ेगी आग लगने का भी नहीं रहेगा भय

हकेंवि के सहायक आचार्य डॉ. मुनीष मानस ने तैयार किया डिवाइस

मनोज राजपूत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से एक ऐसा डिवाइस बीएमएस (बैट्री मैनेजमेंट सिस्टम) तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से 150 किलोवाट क्षमता वाले इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में कमी आएगी। साथ ही इसके माध्यम से बैटरी की लाइफ भी 60 प्रतिशत बढ़ जाएगी। समान रूप से ऊर्जा वितरण एवं नियंत्रण के कारण ईवी में आग लगने की घटनाओं पर अंकुश लगेगा, जिससे इनका प्रयोग और अधिक सुरक्षित हो पाएगा।

ऑटोमेटिक नियंत्रण वाला यह डिवाइस ईवी को जरूरत के हिसाब से ऊर्जा की आपूर्ति करेगा, जिसके माध्यम से ओवरहीट की समस्या से निजात मिलेगी। हकेंवि के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मुनीष मानस द्वारा तैयार इस डिवाइस के शोध को जनरल ऑफ एनर्जी स्टोरेज (एलजीवियर) पत्रिका में स्थान मिला है जिसका इंपैक्ट फैक्टर 9.4 है। यह पत्रिका विश्वभर में बड़े शोध के प्रशासन के लिए विख्यात है। संवाद

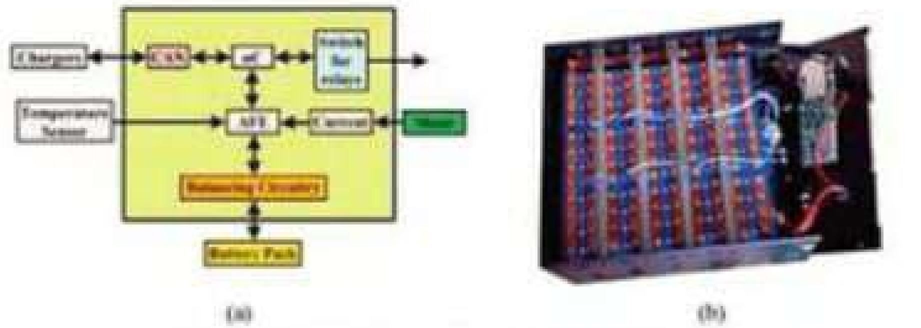

(a) (b)

Fig. 9. (a) Generalized architecture of BMS, (b) Mounting on battery pack.

महेंद्रगढ़। बीएमएस का डायाग्राम व डिवाइस। संवाद

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी प्रबंधन प्रणाली की निगरानी पर निर्भर है सुरक्षित संचालन

डॉ. मुनीश मानस

डॉ. मुनीष मानस ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन का सुरक्षित और प्रभावी संचालन वाहन की बैटरी प्रबंधन प्रणाली की निरंतर निगरानी पर निर्भर करता है। बीएमएस इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शन, संचालन को अधिकतम करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी पर सबसे बड़ा बजट खर्च होने से इनकी कीमतें अधिक हैं। वाहनों में यह डिवाइस लगने के बाद पूर्णरूप से प्रबंधन प्रणाली पर नियंत्रण हो पाएगा।

ईवी की इन समस्याओं से भी बीएमएस देगा सुरक्षा

डॉ. मुनीष मानस ने बताया कि इस डिवाइस में ऑटोमेटिक कट, ऑन, ओवर चार्जिंग, डिसचार्जिंग, ओवर डिसचार्जिंग की समस्याओं से भी छुटकारा मिलेगा। साथ ही यह डिवाइस बैटरी पैरामीटर की निगरानी करने में भी सक्षम होगा। वाहन में डिवाइस लगाने के बाद बैटरी से संबंधित नियंत्रण प्रणाली में बड़ा सुधार होने से करीब 150 किलोवॉट की क्षमता के ईवी की कीमतों में भी करीब 8 लाख रुपये तक की कमी आएगी। माइक्रोग्रीड में सक्षम 9.4 प्रभाव कारक क्षमता वाला यह डिवाइस प्रत्येक आंकड़े एकत्रित करने में सक्षम होगा।

फीचर लेखन प्रतियोगिता में शशांक बने विजेता

मीडिया उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाएं हकेंवि के विद्यार्थी : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव संचार उत्सव 2024 के समापन किया गया। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की मीडिया क्षेत्र में अग्रणी भूमिका हो और वे मीडिया क्षेत्र में जाकर मीडिया व देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं।

विजेताओं को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेंवि

इस दौरान कई प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आयोजित मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अभिषेक मीणा प्रथम, जतिन कुमार द्वितीय व हितेश तृतीय रहे। फीचर लेखन में शंशांक प्रथम, अग्रिमा द्वितीय एवं अमित एवं रक्षित राज तृतीय रहा एड मेड शो में सुमित प्रथम, राहुल माना द्वितीय व रंजन कुमार वर्मा तृतीय रहे। रील्स मेकिंग में रिसव सिंह प्रथम, अभिषेक आर्य द्वितीय, सूर्यांश तृतीय। शॉर्ट फिल्म में छुटटी प्रथम, इफ शी केन स्पीक द्वितीय व प्लास्टिक पाल्युशन तृतीय रहीं। एंकरिंग प्रतियोगिता में संदीप प्रथम, सिया द्वितीय व तुषार कुमार तृतीय रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में आकांक्षा राय प्रथम, सूरज द्वितीय व हमेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। प्रेस रिलीज लेखन में सिया प्रथम, ज्योति द्वितीय व गुरदीप तृतीय रहे। पीटूसी प्रतियोगिता में शालिनी प्रथम, अनसिरन द्वितीय व रंजन कुमार वर्मा तृतीय रहे।

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय एवं उसके विभाग की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है। जब विद्यार्थी अलग अलग क्षेत्रों में जाकर उच्च पदों पर पहुंचते हैं तो इससे देश व दुनिया में संस्थान की ख्याति में वृद्धि होती है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हकेंवि संचार उत्सव जैसे अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मकता के विकास के लिए बहुत जरूरी है इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. आलेख, प्रो. बीरपाल यादव, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. मोना शर्मा, फार्मेसी के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार मौजूद रहे।

हकेंवि की छात्रा शेफाली को 6.50 लाख के पैकेज पर मिला प्लेसमेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी।

कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विश्वविद्यालय का विशेष फोकस है। उन्होंने कहा कि उनका चयन हमारी छात्राओं को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने भी शेफाली मोहन को बधाई देते हुए प्लैनेट स्पार्क में चयन विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए हर्ष की बात है। अभी तक लगभग 55 छात्राओं को औसतन 4.48 लाख रुपये से शुरु रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुका है।

विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण के मोर्चे पर रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास की दिशा में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में निरंतर जुटा हुआ है। जहां तक शेफाली के चयन की बात है तो उनका चयन कंपनी की एचआर प्रबंधक (टेलेंट एक्विजिशन) इशिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के बाद हुआ है। शेफाली मोहन को प्लैनेट स्पार्क में 6.50 लाख रुपये का पैकेज प्रदान किया गया है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को एक सशक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हकेंवि में 72 करोड़ से बनेंगे पुस्तकालय और सभागार

पुस्तकालय में 800 विद्यार्थियों को मिल सकेंगी आधुनिक सुविधाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का वीरवार को भूमि पूजन के साथ शुभारंभ किया गया। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भूमि पूजन कराया।

1200

लोगों की क्षमता वाले सभागार पर 37.77 करोड़ खर्च

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मौजूदगी में निर्माण कार्य की शुरुआत की। कार्यक्रम में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे।

हकेंवि में केंद्रीय पुस्तकालय का भूमि पूजन करते कुलपति । स्रोत: हकेंवि

केंद्रीय पुस्तकालय पर आएगी 34.25 करोड़ की लागत

विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता अमरजीत सिंह ने बताया कि केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

1200 लोगों के बैठने की क्षमता वाले सभागार पर आएगी 37.77 करोड़ की लागत : 3600 वर्गमीटर में वी आकार में निर्मित होने वाले सभागार में 1200 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आने की संभावना है। हकेंवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को आमंत्रित किया गया। आयोजन में डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर एडीसी चरखी दादरी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा सरकार के ओएसडी प्रो. आरके अनायत व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरके अनायत ने कहा कि हर व्यक्ति की सफलता के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ अवश्य होता है। उन्होंने हरियाणा राज्य में लड़कियों की बढ़ती साक्षरता पर हर्ष व्यक्त किया। प्रो.अनायत ने अपने जीवन के अनुभव भी प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने प्रिटिंग, पैकेजिंग और इंजीनियरिंग जैसे पुरुष प्रधान क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

दैनिक भास्कर
महेंद्रगढ़ भास्कर 08-03-2024

हकेंवि संचार उत्सव 2024 का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों की मीडिया क्षेत्र में अग्रणी भूमिका हो और वे मीडिया उद्योग में जाकर मीडिया व देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को काम करने की जरूरत है। यह विचार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव संचार उत्सव 2024 के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि किसी भी विवि एवं उसके विभाग की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है। जब विद्यार्थी अलग अलग क्षेत्रों में जाकर उच्च पदों पर पहुंचते हैं तो इससे देश व दुनिया में संस्थान की ख्याति में वृद्धि होती है। कुलपति ने विभाग की वार्षिक कार्यक्रम रिपोर्ट का भी विमोचन किया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विभाग द्वारा संचार उत्सव 2024 में 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जिनमें मुख्य रूप से फीचर लेखन, प्रेस रिलीज लेखन, पीस टू कैमरा, मोबाइल फोटोग्राफी, शॉर्ट फिल्म, रील मेकिंग, एड मेड शो, कविता पाठ, वाद विवाद, एंकरिंग एवं ओपन माइक शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह एवं डॉ. भारती बत्रा रहे। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. आलेख एस नायक, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल यादव, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल, पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ भास्कर 08-03-2024

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विवि का विशेष फोकस है। शेफाली मोहन की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। विवि में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने भी शेफाली मोहन को बधाई देते हुए प्लैनेट स्पार्क में चयन विवि के सभी सहभागियों के लिए हर्ष की बात है। शेफाली का चयन कंपनी की एचआर प्रबंधक (टेलेंट एक्विजिशन) इशिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के बाद हुआ है। शेफाली मोहन को प्लैनेट स्पार्क में 6.50 लाख रुपए का पैकेज प्रदान किया गया है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को एक सशक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महेंद्रगढ़ भास्कर 08-03-2024

केन्द्रीय विवि में पुस्तकालय व सभागार का भूमि पूजन, ₹72 करोड़ में होंगे तैयार

केन्द्रीय पुस्तकालय शैक्षणिक गतिविधियों के लिए होगा उपयोगी : कुलपति प्रो. टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सान्निध्य में संपन्न हुआ। यह पुस्तकालय व सभागार करीब 72 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार होंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे। इस निर्माण कार्य की शुरुआत में विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी योगदान दिया।

सभागार वातानुकूलित, वाईफाई सुविधा से लैस होगा। सभागार के भवन का निर्माण दिव्यांगजन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। निर्धारित कार्ययोजना के अंतर्गत पुस्तकालय भवन व सभागार दोनों का निर्माण कार्य लगभग 27 महीनों में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। इस भूमि पूजन के अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. बीपी यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. कामराज सिंधु सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

₹37.7 करोड़ में बनेगा सभागार

विवि प्रांगण में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है। वी आकार में निर्मित होने वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी। इस भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आएगी। सभागार में मुख्य स्टेज पर होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोधी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ट अतिथियों के लिए जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि के लिए हॉल, अग्निशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल बनेगा।

₹34.2 करोड़ में बनेगी लाइब्रेरी

विवि के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता अमरजीत सिंह ने बताया कि विवि में निर्मित होने जा रहे केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस भवन में भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकर्ताओं के लिए अध्ययनकक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी। इस भवन में 100 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल, कांफ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मीटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, सामाजिक मेलजोल, आपसी साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध रहेगा। नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

मीडिया उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाएं विद्यार्थीः प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों की मीडिया क्षेत्र में अग्रणी भूमिका हो और वे मीडिया उद्योग में जाकर मीडिया व देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को काम करने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव संचार उत्सव 2024 के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय एवं उसके विभाग की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है। जब विद्यार्थी अलग अलग क्षेत्रों में जाकर उच्च पदों पर पहुंचते हैं तो इससे देश व दुनिया में संस्थान की ख्याति में वृद्धि होती है।

प्रो. कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हकेंवि संचार उत्सव जैसे अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मकता के विकास के लिए बहुत जरूरी है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें ऐसे मंच उपलब्ध करवाना आवश्यक है। इस अवसर पर कुलपति ने विभाग की वार्षिक कार्यक्रम रिपोर्ट का भी विमोचन किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि विभाग द्वारा संचार उत्सव 2024 में 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया।

जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कृत करते कुलपति • जागरण

केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार का हुआ भूमि पूजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हकेंवि में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर कमलों से संपन्न हुआ। कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे। विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता अमरजीत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने जा रहे केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस पुस्तकालय भवन में दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा।

हकेंवि की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

छात्रा शेफाली मोहन कुलपति के साथ • जागरण

संस, महेंद्रगढ़ : हकेंवि की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विश्वविद्यालय का विशेष फोकस है। उन्होंने कहा कि उनका चयन हमारी छात्राओं को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है। शेफाली की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर विशेष रूप से प्रयासरत है और अभी तक लगभग 55 छात्राओं को औसतन 4.48 लाख से शुरु रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुका है। विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण के मोर्चे पर रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास की दिशा में कुलपति के नेतृत्व में निरंतर जुटा हुआ है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार का हुआ भूमि पूजन, 72 करोड़ की लागत से दोनों भवन होंगे तैयार

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बताया उपयोगी।

सुरेंद्र चौधरी, गुडगाँव टुडे

हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय में 72 करोड रुपए की लागत से तैयार होने वाले केंद्रीय पुस्तकालय एवं सभागार भवन का भूमि पूजन करते हुए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर कमलों से संपन्न हुआ। भारतीय परम्परा के अनुसार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मौजूदगी में इस निर्माण कार्य की शुरुआत में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी योगदान दिया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे। विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता अमरजीत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने जा रहे केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रूपए खर्च होंगे।लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस भवन में भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकर्ताओं हेतु अध्ययनकक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी। इस भवन में 100 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल/कांफ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मिटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, सामजिक मेलजोल, आपसी साझेदारी सुनिश्चित करने हेतु भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध रहेगा।

नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटिन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसी क्रम में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है। 'वी आकार' में निर्मित होने वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले इस भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आने की संभावना है। हकेंवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। सभागार में रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोधी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ट अतिथियों हेतु जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि हेतु हॉल, अग्निशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी।

सभागार वातानुकूलित, वाईवाई सुविधा से लैस होगा। सभागार के भवन का निर्माण दिव्यांगजन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। निर्धारित कार्ययोजना के अंतर्गत पुस्तकालय भवन व सभागार दोनों का निर्माण कार्य लगभग 27 महीनों में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

इस भूमि पूजन के अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. बी.पी. यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. कामराज सिंधु सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को आमंत्रित किया गया। आयोजन में डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर, एडीसी, चरखी दादरी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा सरकार के ओएसडी प्रो. आर.के. अनायत व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.के. अनायत ने कहा कि हर व्यक्ति की सफलता के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ अवश्य होता है। उन्होंने हरियाणा राज्य में लड़कियों की बढ़ती साक्षरता पर हर्ष व्यक्त किया। प्रो. अनायत ने अपने जीवन के अनुभव भी प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने प्रिंटिंग, पैकेजिंग और इंजीनियरिंग जैसे पुरुष प्रधान क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कैसे इस क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर ने कहा कि सशक्तिकरण अंदर से कैसे आता है और यह सामाजिक परिप्रेक्ष्य को कैसे बदलता है। उन्होंने कहा कि हमारा अस्तित्व महिलाओं के कारण है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का गांवों के साथ जुड़ाव हमेशा से रहा है और अनुसंधान और समाज के लिए इसे हमेशा बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने जांट व पाली गांवों के लिए एक-एक सीट दाखिले के लिए आरक्षित की हुई है, जो महिला सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कुलपति ने महिला सशक्तिकरण के लिए ओर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने महिला वैज्ञानिकों के जीवन व समाज में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे देश की विभिन्न महिला वैज्ञानिकों ने घर व जीवन की मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए सफलता पाई। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. सुमन रानी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए किए जाने वाले आयोजनों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुश्री रेनु ने किया। आयोजन में डॉ. अनीता, डॉ. अमित, डॉ. पवित्रा, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। महिला दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा भी महिला स्वास्थ्य की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की चिकित्सा अधिकारी डॉ. हीना यादव ने महिला के स्वास्थ्य संबंधी विषय जैसे ह्यविटामिन डीह्न की कमी, लक्षण, कारण, एवं उपाय और साथ ही महिलाओं में तीव्रता से बढती ह्यसर्वाइकल कैंसरह्न के कारण लक्षण एवं उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

देश के मीडिया उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाएं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हकेवि संचार उत्सव 2024 का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, 7 मार्च (परमजीत, मोहन): विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों की मीडिया क्षेत्र में अग्रणी भूमिका हो और वे मीडिया उद्योग में जाकर मीडिया व देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को काम करने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव संचार उत्सव 2024 के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय एवं उसके विभाग की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है। जब विद्यार्थी अलग अलग क्षेत्रों में जाकर उच्च पदों पर पहुंचते हैं तो इससे देश व दुनिया में संस्थान की ख्याति में वृद्धि होती है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हकेवि संचार उत्सव जैसे अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मकता के विकास के लिए बहुत जरूरी है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें ऐसे मंच उपलब्ध करवाना आवश्यक है।

कुलपति ने सभी विजयी विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर कुलपति ने विभाग की वार्षिक कार्यक्रम रिपोर्ट का भी विमोचन किया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को सामने लाने का मंच उपलब्ध करवाते हैं।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि विभाग द्वारा संचार उत्सव 2024 में 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। जिनमें मुख्य रूप से फीचर लेखन, प्रेस रिलीज लेखन, पीस टू कैमरा, मोबाइल फोटोग्राफी, शॉर्ट फिल्म, रील मेकिंग, एड मेड शो, कविता पाठ, वाद विवाद, एंकरिंग एवं ओपन माइक शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह एवं डॉ. भारती बत्रा ने कहा कि इस एक दिवसीय महोत्सव में इस साल जिस तरह से विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में यह उत्सव श्रेष्ठ संचार उत्सव बनेगा।

संचार उत्सव में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आयोजित मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अभिषेक मीणा प्रथम, जतिन कुमार दूसरे व हितेश तीसरे स्थान पर रहे। फीचर लेखन में शशांक प्रथम, अग्रिमा दूसरे एवं अमित एवं रक्षित राज तीसरे स्थान पर रहे। एड मेड शो में सुमित प्रथम, राहुल माना दूसरे व रंजन कुमार वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। रील्स मेकिंग में रिसब सिंह प्रथम, अभिषेक आर्य दूसरे, सूर्यांश तीसरे स्थान पर रहे। शॉर्ट फिल्म में छुटटी प्रथम, इफ शी केन स्मोक दूसरे व प्लास्कि पाल्युशन तीसरे स्थान पर रही। एंकरिंग प्रतियोगता में संदीप प्रथम, सिया दूसरे एवं तुशार कुमार तीसरे स्थान पर रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में आकांक्षा राय प्रथम, सुरज दूसरे व हमेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। प्रेस रिलीज लेखन में सिया प्रथम, ज्योति दूसरे एवं गुरदीप तीसरे स्थान पर रहे। पोट्री प्रतियोगिता में शालिनी प्रथम, अनसिरन दूसरे एवं रंजन कुमार वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. आलेख एस नायक, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल यादव, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल, पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

है। सभी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़, 7 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विश्वविद्यालय का विशेष फोकस है। उन्होंने कहा कि उनका चयन हमारी छात्राओं को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है। शेफाली मोहन की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने भी शेफाली मोहन को बधाई देते हुए प्लैनेट स्पार्क में चयन विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर विशेष रूप से प्रयासरत है और अभी तक लगभग 55 छात्राओं को औसतन 4.48 लाख रूपए से शुरु रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुका है। विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण के मोर्चे पर रोजगार सृजन और उद्यमिता विकास की दिशा में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में निरंतर जुटा हुआ है। जहां तक शेफाली के चयन की बात है तो उनका चयन कंपनी की एचआर प्रबंधक (टेलेंट एक्विजिशन) इशिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के बाद हुआ है। शेफाली मोहन को प्लैनेट स्पार्क में 6.50 लाख रूपये का पैकेज प्रदान किया गया है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को एक सशक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवोदय टाइम्स
Fri, 08 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/7469

हकेवि में पुस्तकालय व सभागार का भूमि पूजन

महेंद्रगढ़, 7 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर कमलों से संपन्न हुआ। भारतीय परम्परा के अनुसार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मौजूदगी में इस निर्माण कार्य की शुरुआत में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी योगदान दिया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे। विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता अमरजीत सिंह ने बताया कि केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रूपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसी क्रम में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है। 'वी आकार' में निर्मित होने वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले इस भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आने की संभावना है।

विवि. के केंद्रीय पुस्तकालय का भूमि पूजन करते कुलपति व अन्य।

हकेवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। सभागार में रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोधी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ट अतिथियों हेतु जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि हेतु हॉल, अग्निशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी।

इस भूमि पूजन के अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, प्रो. बी.पी. यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. नंद किशोर, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. कामराज सिंधु सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

SESSION ON INDIGENOUS TECHNOLOGIES

Hisar: A one-day programme on 'Indigenous Technologies for Viksit Bharat' was organised to mark the National Science Day on the campus of Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST), Hisar, on Wednesday. The programme was sponsored by Haryana State Council for Science, Innovation and Technology. Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana, Mahendragarh, was the chief guest. Addressing the participants, Prof Tankeshwar said the dream of 'Viksit Bharat @ 2047' could be fulfilled by youth with new innovations aimed at boosting the economy.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को आमंत्रित किया गया। आयोजन में डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर, एडीसी, चरखी दादरी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा सरकार के ओएसडी प्रो. आर.के. अनायत व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.के. अनायत ने कहा कि हर व्यक्ति की सफलता के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ अवश्य होता है। उन्होंने हरियाणा राज्य में लड़कियों की बढ़ती साक्षरता पर हर्ष व्यक्त किया। प्रो. अनायत ने अपने जीवन के अनुभव भी प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने प्रिंटिंग, पैकेजिंग और इंजीनियरिंग जैसे पुरुष प्रधान क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि कैसे इस क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर ने कहा कि सशक्तिकरण अंदर से कैसे आता है और यह सामाजिक परिप्रेक्ष्य को कैसे बदलता है। उन्होंने कहा कि हमारा अस्तित्व महिलाओं के कारण है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का गांवों के साथ जुड़ाव हमेशा से रहा है और अनुसंधान और समाज के लिए इसे हमेशा बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने जांट व पाली गाँवों के लिए एक-एक सीट दाखिले के लिए आरक्षित की हुई है, जो महिला सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा

रहा है। कुलपति ने महिला सशक्तिकरण के लिए ओर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने महिला वैज्ञानिकों के जीवन व समाज में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे देश की विभिन्न महिला वैज्ञानिकों ने घर व जीवन की मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए सफलता पाई। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. सुमन रानी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए किए जाने वाले आयोजनों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुश्री रेनु ने किया। आयोजन में डॉ. अनीता, डॉ. अमित, डॉ. पवित्रा, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। महिला दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा भी महिला स्वास्थ्य की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की चिकित्सा अधिकारी डॉ. हीना यादव ने महिला के स्वास्थ्य संबंधी विषय जैसे 'विटामिन डी' की कमी, लक्षण, कारण, एवं उपाय और साथ ही महिलाओं में तीव्रता से बढती 'सर्वाइकल कैंसर' के कारण लक्षण एवं उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सृष्टि युवा संगम के लिए चयनित

भेदी नजर अशोक कुमार कौशिक नारनौल। भारत के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विविधता में एकता के मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत 'युवा संगम चरण 4' विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम शुरु किया है। विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ छात्रा सुश्री सृष्टि जलाल का चयन युवा संगम चरण 4 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्रा सृष्टि जलाल को बधाई देते हुए कहा कि अवश्य ही इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागी को मेजबान राज्य की कला-संस्कृति को जानने-समझने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में एमए अंग्रेजी में अध्ययनरत सृष्टि को कर्नाटक की विविधता, संस्कृति और क्षेत्रीय अभिव्यक्तियों को समझने, राज्य की परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व विभाग के संकाय सदस्यों ने भी सृष्टि जलाल को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

भारत अनंतकाल से रहा है ज्ञान का केंद्र : शर्मा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के राजनीतिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने वेद, पुराण, श्रुति, और, स्मृतियों में भेद बताया तथा विस्तारपूर्वक वर्णन किया। डॉ. पवन शर्मा के अनुसार भारत अनंतकाल से ज्ञान का केंद्र रहा है। भारतीय चिंतन में कर्म व धर्म प्रधान है। उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का उल्लेख करते हुए राजा के कर्तव्य और राज्य के अंगों के बारे में बताया। अंतत: उन्होंने कौटिल्य के मण्डल सिद्धांत के बारे में बताकर भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इससे पूर्व में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार मीणा ने मुख्य वक्ता डॉ. पवन शर्मा का अभिनंदन किया। कार्यशाला के दूसरे दिन कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति: ला गणेशन

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संर्वधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संर्वधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल माननीय श्री ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में मुख्य अतिथि श्री ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रियोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। श्री गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भवष्यि निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़े जो हमारी संस्कृति से जुड़ी हो और विकास के अवसर भी प्रदान करती हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति करती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है जोकि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के बाद एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है जो कि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह नीति युवाओं को जोखिम लेने के काबिल बनाती है और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में यह गुण बेहद उपयोगी है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति हमें अपने पुराने ज्ञान व मूल्यों से जोड़कर भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर करती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इस नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु उत्तरी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति संपूर्ण मानवता के विकास में मददगार है और भारतीयों को संपूर्ण राष्ट्र व मानवता के कल्याण हेतु क्षमतावान बनाने में सक्षम है। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यशाला के आयोजक डॉ. अरविंद सिंह तेजावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और उद्घाटन सत्र के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आईसीएसएसआर की ओर से इस प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रतिभागी व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः ला गणेशन

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में मुख्य अतिथि ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है।

उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है।

National Education Policy is full of hope, opportunities and possibilities of development - La Ganesan

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A one-day workshop funded by ICSSR on National Education Policy and Enhancement of the Higher Education Institutions was organized at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The workshop was inaugurated by the Hon'ble Governor of Nagaland, Shri La Ganesan as the Chief Guest. Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of Maharishi Dayanand Saraswati University, Ajmer Prof. Anil Shukla, Guest of Honour, Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav were also present on this occasion. Hon'ble Governor Mr. La Ganesan said that in National Education Policy the path to success has been paved mainly through education and skill development in the mother tongue. This policy is going to eliminate the gap between education and employability. Mr. Ganesan said that this policy is going to develop the possibilities of creativity and employment by developing the necessary eco-system for progress and development through innovation, research. In his address, he emphasized the contribution of this policy in the development of entrepreneurship and making the youth proficient in problem solving skills. Shri Ganesan stressed on educating every child of India to build a developed India. In his address, he also highlighted the importance of ancient Indian knowledge system and drew attention towards the preservation and promotion of Indian knowledge system on in the new education policy and said that now is the time to move towards building the future of India and this goal is not difficult to achieve through new education policy.

हकेवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरूआत

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार 18 मार्च से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रासंगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हों। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं। प्रो. मित्तल ने अपने संबोधन में शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोध कार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्य है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। आंकड़ें किसी भी शोध का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और शोध की प्रमाणिकता आंकड़ें एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। इसलिए आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागी इस क्षेत्र में कार्यरत

विशेषज्ञों से इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे और उनका उपयोग भविष्य में करेंगे।

कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। जिसके बाद कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़ें तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु, व डॉ. खेराज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हकेवि में आकाश गंगाओं के गठन और विकास पर कार्यशाला आरंभ

भेदी नजर अशोक कुमार कौशिक नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार 18 मार्च से आकाश गंगाओं के गठन और विकास विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई। आईयूका, पुणे के द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला से सीधा अभिप्राय है कि ऐसा आयोजन जिसमें प्रतिभागी उपलब्ध ज्ञान की जानकारी के साथ-साथ उसके व्यवहारिक पक्ष को भी जानते समझते हैं। यह कार्यशालाएं निश्चित रूप से प्रतिभागियों के लिए भविष्योपयोगी होती हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टी.आर शेषाद्रि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के आरंभ में कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके पश्चात आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। कुलपति ने अपने संबोधन में आकाश गंगाओं और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए करते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। विश्वविद्यालय स्तर पर साइंटिफिक एविडेंस ऑफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. टी.आर. शेषाद्रि ने अपने संबोधन में विस्तारपूर्वक आकाश गंगाओं के गठन और उनके विकास पर प्रकाश डाला और उससे जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान और विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला के संयोजक डॉ. जसवंत ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में हकेवि सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यशाला में प्रतिदिन प्रतिभागियों को अलग-अलग विशेषज्ञों के माध्यम से खगोल भौतिकी से जुड़े विषयों को जानने-समझने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

हकेवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरुआत

सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोधक है विषय

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार 18 मार्च से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रांसगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हों। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं। प्रो. मित्तल ने अपने संबोधन में शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोध कार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्य है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। आंकड़ें किसी भी शोध का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और शोध की प्रमाणिकता आंकड़ें एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। इसलिए आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागी इस क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों से इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे और उनका उपयोग भविष्य में करेंगे।

कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। जिसके बाद कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़ें तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु, व डॉ. खेराज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

ह्यूमन इंडिया दैनिक समाचार पत्र फरीदाबाद में समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें :

आवश्यक सूचना

ह्यूमन इंडिया का इस समाचार पत्र में मुद्रित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नही है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि अवश्य कर लें।

हकेवि में आकाश गंगाओं के गठन और विकास पर कार्यशाला आरंभ

महेन्द्रगढ,चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार 18 मार्च से आकाश गंगाओं के गठन और विकास विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई। आईयूका, पुणे के द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला से सीधा अभिप्राय है कि ऐसा आयोजन जिसमें प्रतिभागी उपलब्ध ज्ञान की जानकारी के साथ-साथ उसके व्यवहारिक पक्ष को भी जानते समझते हैं। यह कार्यशालाएं निश्चित रूप से प्रतिभागियों के लिए भविष्योपयोगी होती हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टी.आर शेषाद्रि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के आरंभ में कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके पश्चात आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। वशेषज्ञ वक्ता प्रो. टी.आर. शेषाद्रि ने अपने संबोधन में विस्तारपूर्वक आकाश गंगाओं के गठन और उनके विकास पर प्रकाश डाला और उससे जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान और विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

हकेवि में प्लांट स्ट्रेस केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जैव रसायन विभाग द्वारा

ह्लपादप अजैविक तनाव और विश्लेषण के तरीकेह्ल पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों और शोधकताओं को प्रोत्साहित किया और जैव रसायन विभाग के प्रयासों की सराहना की। आयोजन में मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी) के वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी ने चावल की नई किस्म पैदा करने के बारे में प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी-प्रयोगशाला से भूमि तक अवधारणाओं और दृष्टिकोण पर अपनी बात रखी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने ह्यअजैविक तनाव के बदलते परिदृश्य के तहत सतत कृषि के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया है। बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के संचालन के लिए अध्यक्ष डॉ. सौरभ सक्सेना को डीएसटी-एसईआरबी-एक्सीलरेट विज्ञान कार्यशाला योजना से वित्त प्राप्त हुआ है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मुलका मारुति, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. नीलम ने सक्रिय भागीदारी की।

हकेवि में छात्रों को दिए अपना बिजनेस स्टार्टअप करने के टिप्स

महेन्द्रगढ, चेतना ब्यूरो। हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर बिजनेस स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनएसएस इकाई को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूल चंद सभागार में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत; लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद आदि विश्वविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शिक्षा, सूचना, तकनीकी, मेडिकल, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों से संबंधित बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किये गए। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. नीलम तथा डॉ. मुकेश उपाध्याय ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद के स्वयंसेवक आकाश शर्मा ने प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम (हर्ष गोडवामी, नेहा पांडे, तथा खुशी) ने द्वितीय, डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत के चैतन्य महाजन ने तृतीय; हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अदिति, दिनेश, सुमित कुमार चौधरी तथा लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद के वतसल ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

हकेंवि विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

विद्यार्थी कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो . सुषमा यादव के साथ • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के बी.वाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल कंपनी जेबीएम ग्रुप (एनएमपीएल) का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सप्लाई चैन, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक संभावनाओं को समझा। विद्यार्थियों के इस औद्योगिक भ्रमण में विशेषज्ञ के रूप में प्लांट के वाइस प्रेजिडेंट पीएस खुराना व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने में इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित होने वाली भविष्य की चुनौतियों को समझने व उनसे निपटने में मददगार बताया। विद्यार्थियों के इस भ्रमण के दौरान कंपनी के प्लांट हेड संदीप एवं वरिष्ठ प्रबंधक विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों को रोजगार से संबंधित अवसरों के बारे में विस्तार से बताया एवं प्लांट की औद्योगिक गतिविधियों से भी अवगत कराया। विश्वविद्यालय के सतत अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि इस औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार होंगे।

हकेवि विद्यार्थियों ने किया जेबीएम ग्रुप का औद्योगिक भ्रमण

नीलम शर्मा, पब्लिक एशिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल कंपनी जे.बी.एम. ग्रुप (एन.एम.पी.एल.) का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सप्लाई चैन, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक संभावनाओं को समझा। विद्यार्थियों के इस औद्योगिक भ्रमण में विशेषज्ञ के रूप में प्लांट के वाइस प्रेजिडेंट श्री पी.एस. खुराना व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने में इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय पहुँचे विद्यार्थियों से मुलाकात के बाद विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित होने वाली भविष्य की चुनौतियों को समझने व उनसे निपटने में मददगार बताया। विद्यार्थियों के इस भ्रमण के दौरान कंपनी के प्लांट हेड संदीप एवं वरिष्ठ प्रबंधक विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों को रोजगार से संबंधित अवसरों के बारे में विस्तार से बताया एवं प्लांट की औद्योगिक गतिविधियों से भी अवगत कराया। विश्वविद्यालय के सतत अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो.पवन कुमार मौर्य ने कहा कि इस औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार होंगे। विभाग के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग समय-समय पर कौशल विकास की गतिविधियां आयोजित करता है। अवश्य ही इस औद्योगिक भ्रमण से भी प्रतिभागी विद्यार्थी लाभांवित हुए होंगे।

आयोजन कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 25 प्रतिभागियों ने की प्रतिभागिता

हकेवि में बायोऐथेनॉल पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा डीएसटी के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने देश में जैव ईंधन अनुसंधान के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभावित हुए होंगे। उन्होंने आयोजकों को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर केंद्रित कार्यशाला के समापन के अवसर पर विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड

कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रतिभागी व शिक्षक। **आज समाज**

डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के आठ विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बायोमास प्रीट्रीटमेंट और लक्षण वर्णन, जलमग्न और ठोस-अवस्था किण्वन द्वारा सेल्युलोलाइटिक एंजाइम उत्पादन, विभिन्न लिग्नोसेल्युलोलाइटिक एंजाइम गतिविधियों का अनुमान, प्रीट्रीटेड बायोमास का एंजाइमैटिक सैकरिफिकेशन, इथेनॉल उत्पादन के लिए खमीर के साथ एंजाइम हाइड्रोलाइजेट का किण्वन आदि का जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई।

कार्यक्रम के संयोजक और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के डॉ. के.के. शर्मा; आईसीजीईबी, नई दिल्ली के डॉ. शिरीष श्रीवास्तव; जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. कुमार प्रणव; एनआईबीई, कपूरथला के डॉ. सचिन; यूडीएससी, नई दिल्ली के डॉ. राम करण; हकेवि की डॉ. अनीता सिंह; तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर के प्रो. शिवकुमार उथांडी; हकेवि के प्रो. विकास बेनीवाल ने कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यशाला के आयोजन सचिव व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कार्यशाला को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी), भारत सरकार का भी आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की आयोजक टीम में प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. अविजीत, डॉ. विनोद यादव और डॉ. पूजा ने सक्रिय भागीदारी की तथा शोधार्थी प्रशिक्षकों में विभाग के शोधार्थी हिमांशु, आयुष माथुर, अमनजोत कौर और प्रकृति झिल्टा शामिल रहे।

हकेवि में बायोऐथेनॉल पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेन्द्रगढ,चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा डीएसटी के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने देश में जैव ईंधन अनुसंधान के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित हुए होंगे। उन्होंने आयोजकों को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर केंद्रित कार्यशाला के समापन के अवसर पर विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के आठ विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बायोमास प्रीट्रीटमेंट और लक्षण वर्णन, जलमग्न और ठोस-अवस्था किण्वन द्वारा सेल्युलोलाइटिक एंजाइम उत्पादन, विभिन्न लिग्नोसेल्युलोलाइटिक एंजाइम गतिविधियों का अनुमान, प्रीट्रीटेड बायोमास का एंजाइमैटिक सैकरिफिकेशन, इथेनॉल उत्पादन के लिए खमीर के साथ एंजाइम हाइड्रोलाइजेट का किण्वन आदि का जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यक्रम के संयोजक और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के डॉ. के.के. शर्मा; आईसीजीईबी, नई दिल्ली के डॉ. कार्यशाला के आयोजन सचिव व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कार्यशाला को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी), भारत सरकार का भी आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की आयोजक टीम में प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. विनोद यादव और डॉ. पूजा ने सक्रिय भागीदारी की तथा शोधार्थी प्रशिक्षकों में विभाग के शोधार्थी हिमांशु, आयुष माथुर, अमनजोत कौर और प्रकृति झिल्टा शामिल रहे।

7 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 20 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा डीएसटी के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने देश में जैव ईंधन अनुसंधान के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित हुए होंगे। उन्होंने आयोजकों को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रतिभागी व शिक्षक।

बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर केंद्रित कार्यशाला के समापन के अवसर पर विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के आठ विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बायोमास प्रीट्रीटमेंट और लक्षण वर्णन, जलमग्न और ठोस-अवस्था किण्वन द्वारा सेल्युलोलाइटिक एंजाइम उत्पादन, विभिन्न लिग्नोसेल्युलोलाइटिक एंजाइम गतिविधियों का अनुमान, प्रीट्रीटेड बायोमास का एंजाइमैटिक सैकरिफिकेशन, इथेनॉल उत्पादन के लिए खमीर के साथ एंजाइम हाइड्रोलाइजेट का किण्वन आदि का जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यक्रम के संयोजक और माइक्रो बायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के डॉ. के.के. शर्मा; आईसीजीईबी, नई दिल्ली के डॉ. शिरीष श्रीवास्तव; जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. कुमार प्रणव; एनआईबीई, कपूरथला के डॉ. सचिन; यूडीएससी, नई दिल्ली के डॉ. राम करण; हकेवि की डॉ. अनीता सिंह; तमिलनाडु कृषि विवि., कोयंबटूर के प्रो. शिवकुमार उथांडी; हकेवि के प्रो. विकास बेनीवाल ने कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यशाला के आयोजन सचिव व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कार्यशाला को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार का भी आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम की आयोजक टीम में प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. अविजीत, डॉ. विनोद यादव और डॉ. पूजा ने सक्रिय भागीदारी की तथा शोधार्थी प्रशिक्षकों में विभाग के शोधार्थी हिमांशु, आयुष माथुर, अमनजोत कौर और प्रकृति झिल्टा शामिल रहे।

odayatimes.in
नवोदय टाइम्स Fri, 22 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74783192

हकेवि में बायोऐथेनॉल पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

नीलम शर्मा, पब्लिक एशिया

महेंद्रगढ़ »हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा डीएसटी के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने देश में जैव ईंधन अनुसंधान के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभान्वित हुए होंगे। उन्होंने आयोजकों को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर केंद्रित कार्यशाला के समापन के अवसर पर विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के आठ विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बायोमास प्रीट्रीटमेंट और लक्षण वर्णन, जलमग्न और ठोस-अवस्था किण्वन द्वारा सेल्युलोलाइटिक एंजाइम उत्पादन, विभिन्न लिग्नोसेल्युलोलाइटिक एंजाइम गतिविधियों का अनुमान, प्रीट्रीटेड बायोमास का एंजाइमैटिक सैकरिफिकेशन, इथेनॉल उत्पादन के लिए खमीर के साथ एंजाइम हाइड्रोलाइजेट का किण्वन आदि का जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई।

कार्यक्रम के संयोजक और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के डॉ. के.के. शर्मा; आईसीजीईबी, नई दिल्ली के डॉ. शिरीष श्रीवास्तव; जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. कुमार प्रणव; एनआईबीई, कपूरथला के डॉ. सचिन; यूडीएससी, नई दिल्ली के डॉ. राम करण; हकेवि की डॉ. अनीता सिंह; तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर के प्रो. शिवकुमार उथांडी; हकेवि के प्रो. विकास बेनीवाल ने कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यशाला के आयोजन सचिव व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कार्यशाला को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी), भारत सरकार का भी आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की आयोजक टीम में प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. विकास बेनीवाल, डॉ. अविजीत, डॉ. विनोद यादव और डॉ. पूजा ने सक्रिय भागीदारी की तथा शोधार्थी प्रशिक्षकों में विभाग के शोधार्थी हिमांशु, आयुष माथुर, अमनजोत कौर और प्रकृति झिल्टा शामिल रहे।

विटामिन डी से भरपूर भोजन करें, बीमारी से बचें : प्रो. नीलम

हाइपोविटामिनोसिस डी के आकलन पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा हाइपोविटामिनोसिस डी के आंकलन व प्रबंधन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित पोषित इस कार्यशाला में देशभर से 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के समापन सत्र के अवसर पर उपस्थित शिक्षक व प्रतिभागी। स्रोत: हकेंवि

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास बढ़ाने में इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गैर-संचारी रोगों से विटामिन डी के संबंध पर जोर दिया और प्रतिभागियों को अपने अनुसंधान क्षेत्रों में सीखे गए कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने कहा कि बहुत संख्या में लोग इस मूक महामारी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करके इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। आयोजन में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यशाला आयोजक डॉ. अनीता कुमारी ने बताया कि आयोजन में केंद्रीय विश्वविद्यालय मिजोरम, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईएआरआई, नई दिल्ली, केएनएयू, राजस्थान, जीजेयूएसएंडटी, हिसार से सम्मिलित विशेषज्ञों ने एंथ्रोपोमेट्रिक माप, एलिसा तकनीक का उपयोग करके विटामिन डी के स्तर का अनुमान, कैल्शियम अनुमान, सीबीसी प्रोफाइलिंग, विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास, जैव सूचनात्मक प्रशिक्षण जैसे अनुक्रम पुनप्राप्ति जैसे विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. उमेश कुमार, डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सविता बुधवार सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निरीक्षण

यूजीसी समिति ने किया हकेंवि में राजभाषाई निरीक्षण, राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को मिलेगा बल

हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत कर्मचारियों को दिए सुझाव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषाई निरीक्षण किया।

राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई, जिसमें हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी की अगुवाई में यूजीसी से आए समिति सदस्यों ने क्रमवार प्रशासनिक अनुभागों का दौरा किया।

जमीनी स्तर पर लागू विभिन्न प्रयासों को देखने के बाद राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत

बैठक में उपस्थित कुलपति व अन्य। स्रोत : विवि

कर्मचारियों को सुझाव दिए। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने सभी प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय प्रमुखों का मार्गदर्शन किया। दीपक वत्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुख्यतः राजभाषा नियमों की अनुपालना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए संबंधित अनुभागों को सुझाव भी दिए गए है। इसी क्रम में डॉ. शालिनी ने हिंदी अनुवाद के लिए विभिन्न टूल्स के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया और राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व राजभाषा नियम 5 के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव दीपक वत्स व उपसचिव डॉ. शालिनी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही राजभाषाई निरीक्षण समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा।

दैनिक भास्कर

महेंद्रगढ़ भास्कर 23-03-2024

कुलपति के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की

राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए यूजीसी समिति ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया निरीक्षण

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषाई निरीक्षण किया। यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव दीपक वत्स व उपसचिव डॉ. शालिनी उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा।

राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई, जिसमें हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी की अगुवाई में समिति सदस्यों ने क्रमवार प्रशासनिक अनुभागों का दौरा किया और जमीनी स्तर पर लागू विभिन्न प्रयासों को देखने के बाद राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत कर्मचारियों को सुझाव दिए। इसके बाद कुलपति के नेतृत्व में समिति

सदस्यों ने सभी प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय प्रमुखों का मार्गदर्शन किया। दीपक वत्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुख्यतः राजभाषा नियमों की अनुपालना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए संबंधित अनुभागों को सुझाव भी दिए गए हैं। इसी क्रम में डॉ. शालिनी ने हिंदी अनुवाद के लिए विभिन्न माध्यमों के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया और राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व राजभाषा नियम 5 के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने समिति सदस्यों को भरोसा दिलाया कि उनके सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देने के साथ-साथ अध्ययन, अध्यापन व शोध के स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उपस्थित समिति सदस्यों को आश्वस्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार ने प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय में राजभाषा के क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के प्रमुख उपस्थित रहे।

यूजीसी समिति ने किया हकेवि राजभाषाई निरीक्षण

महेन्द्रगढ़,चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषाई निरीक्षण किया। यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव श्री दीपक वत्स व उपसचिव डॉ. शालिनी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही राजभाषाई निरीक्षण समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी, हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के प्रमुख उपस्थित रहे।

राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई। जिसमें हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी की अगुवाई में यूजीसी से आए समिति सदस्यों ने क्रमवार प्रशासनिक अनुभागों का दौरा किया और जमीनी स्तर पर लागू विभिन्न प्रयासों को देखने के बाद राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत कर्मचारियों को सुझाव दिए। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने सभी प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय प्रमुखों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रयासरत हैं और इस दिशा में उनके सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देने के साथ-साथ अध्ययन, अध्यापन व शोध के स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उपस्थित समिति सदस्यों को आश्वस्त किया।

विटामिन-डी की कमी के विषय पर कार्यशाला में मंथन

कार्यशाला के समापन सत्र के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा हाइपोविटामिनोसिस डी के आकलन व प्रबंधन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला में देशभर से 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कार्यशाला के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गैर-संचारी रोगों से विटामिन डी के संबंध पर जोर दिया और प्रतिभागियों को अपने अनुसंधान क्षेत्रों में सीखे गए कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने कहा कि बहुत संख्या में लोग इस मूक महामारी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करके इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में राष्ट्रीय स्तरीय सेल्फी विद मदर प्रतियोगिता

15 राज्यों से 330 प्रतिभागियों ने लिया भाग बीएससी नर्सिंग की छात्रा मधुस्मिता प्रथम

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र स्तरीय सेल्फी विद मदर और सेल्फी विद महिला शिक्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन समाज में महिलाओं के योगदान को सराहने का प्रयास है।

प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस तरह के प्रयास लगातार होते रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का लक्ष्य समाज में लैंगिक समानता की भावना का विकास करना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में देशभर के 15 राज्यों से 330 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता के लिए आईं एंट्री की जांच करते निर्णायक मंडल के सदस्य।

प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार असम राज्य के दिसपुर नर्सिंग इंस्टीट्यूट गुवाहाटी से बीएससी नर्सिंग की छात्रा मधुस्मिता दास को वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत उत्तराखंड के विकास को दूसरा पुरस्कार मिला। प्रथम पुरस्कार में 3100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार में 2100 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार में विजेताओं को प्रदान किए गए। तीसरे पुरस्कार के विजेता गलगोटिया विश्वविद्यालय की विद्यार्थी खुशी सिन्हा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार और डॉ. आलेख एस नायक रहे। प्रतियोगिता में सभी पुरस्कार हीरा ज्वेलर्स हिसार की तरफ से विशाल बंसल ने दिए। इस प्रतियोगिता में जज की भूमिका प्रोफेसर नीलम सांगवान, राजन अग्रवाल, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. नीरज कर्ण सिंह शिक्षा विभाग से डॉ. नेहा बिश्नोई ने निभाई।

भारत अनंतकाल से रहा है ज्ञान का केंद्र : डॉ. पवन शर्मा

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के राजनीतिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने वेद, पुराण, श्रुति और स्मृतियों में भेद बताया तथा विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

डॉ. पवन शर्मा के अनुसार भारत अनंतकाल से ज्ञान का केंद्र रहा है। भारतीय चिंतन में कर्म व धर्म प्रधान है। उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का उल्लेख करते हुए राजा के कर्तव्य और राज्य के अंगों के बारे में बताया। अंततः उन्होंने कौटिल्य के मण्डल सिद्धांत के बारे में बताकर भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इससे पूर्व में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार मीणा ने मुख्य वक्ता डॉ. पवन शर्मा का अभिनंदन किया। कार्यशाला के दूसरे दिन कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेल्फी विद मदर प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में जांच करते निर्णायक मंडल सदस्य● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तरीय सेल्फी विद मदर और सेल्फी विद महिला शिक्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन समाज में महिलाओं के योगदान को सराहने का प्रयास है। उन्होंने इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस तरह के प्रयास लगातार होते रहने चाहिये। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का लक्ष्य समाज में लैंगिक समानता की भावना का विकास करना है। प्रतियोगिता में देशभर के 15 राज्यों से 330 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार असम राज्य के दिसपुर नर्सिंग इंस्टीट्यूट गुवाहाटी से बीएससी नर्सिंग की छात्रा मधुस्मिता दास को वहीं हकेंवि में अध्ययनरत उत्तराखंड के विकास को दूसरा पुरस्कार मिला।

'संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति'

उच्च शिक्षण संस्थानों का संर्वधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संर्वधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रही।

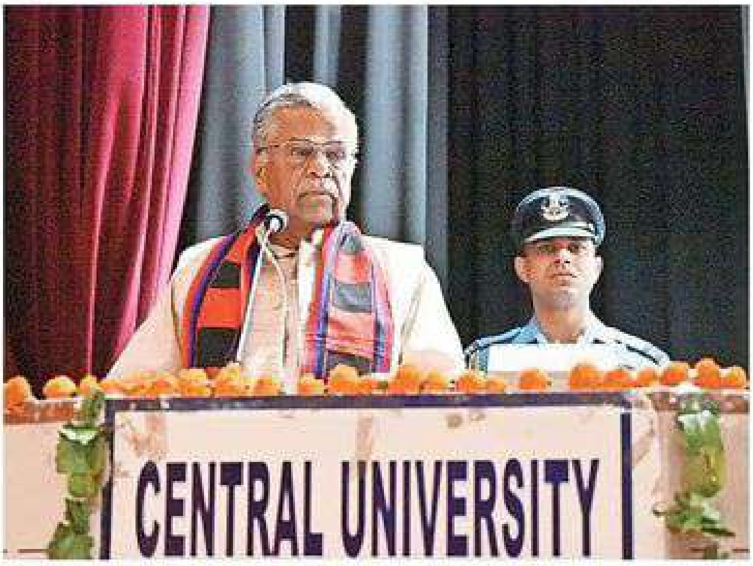

विद्यार्थियों को संबोधित करते नागालैंड के राज्यपाल गणेशन • जागरण

आयोजन में मुख्य अतिथि ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगार परकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास के लिए आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने इंटरप्रियोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भविष्य निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

भारत अनंतकाल से रहा है ज्ञान का केंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डा. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के राजनीतिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने वेद, पुराण, श्रुति और स्मृतियों में भेद बताया तथा विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

डा. शर्मा के अनुसार भारत अनंतकाल से ज्ञान का केंद्र रहा है। भारतीय चिंतन में कर्म व धर्म प्रधान है। आगे की जानकारी देते हुए उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का उल्लेख करते हुए राजा के कर्त्तव्य और राज्य के अंगों के बारे में बताया। अंततः उन्होंने कौटिल्य के मंडल सिद्धांत के बारे में बताकर भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इससे पूर्व में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र कुमार मीणा ने मुख्य वक्ता डा. शर्मा का अभिनंदन किया।

भारत अनंतकाल से रहा ज्ञान का केंद्र, भारतीय चिंतन में धर्म और कर्म प्रधानः डॉ. पवन शर्मा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के राजनीतिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने वेद, पुराण, श्रुति और स्मृतियों में भेद बताया तथा विस्तारपूर्वक वर्णन किया। डॉ. पवन शर्मा के अनुसार भारत अनंतकाल से ज्ञान का केंद्र रहा है। भारतीय चिंतन में कर्म व धर्म प्रधान है। उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का उल्लेख करते हुए राजा के कर्तव्य और राज्य के अंगों के बारे में बताया। अंततः उन्होंने कौटिल्य के मंडल सिद्धांत के बारे में बताकर भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इससे पूर्व में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार मीणा ने मुख्यवक्ता डॉ. पवन शर्मा का अभिनंदन किया। कार्यशाला के दूसरे दिन कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आशा, अवसर और विकास की संभावनाओं से भरपूर है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : ला गणेशन

महेंद्रगढ़ 14 मार्च (परमजीत /मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

आयोजन में मुख्य अतिथि श्री ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। श्री गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भविष्यि निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

कार्यशाला को संबोधित करते राज्यपाल ला गणेशन।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़े जो हमारी संस्कृति से जुड़ी हो और विकास के अवसर भी प्रदान करती हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति करती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि राज्यपाल ला गणेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में सुधार का एक उल्लेखनीय प्रयास है। विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। देश में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं बल्कि देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है जोकि एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के बाद एक ऐसा माहौल तैयार हुआ है जो कि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह नीति युवाओं को जोखिम लेने के काबिल बनाती है और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में यह गुण बेहद उपयोगी है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति हमें अपने पुराने ज्ञान व मूल्यों से जोड़कर भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर करती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इस नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु उत्तरी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति संपूर्ण मानवता के विकास में मददगार है और भारतीयों को संपूर्ण राष्ट्र व मानवता के कल्याण हेतु क्षमतावान बनाने में सक्षम है। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यशाला के आयोजक डॉ. अरविंद सिंह तेजावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और उद्घाटन सत्र के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आईसीएसएसआर की ओर से इस प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका कौशिक, डॉ. सौरव प्रताप सिंह राठौड़ सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रतिभागी व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नवोदय टाइम्स Fri, 15 March 2024 https://epaper.navodayatimes.in/c/74741680

आंकड़े शोध का महत्वपूर्ण हिस्सा : प्रो. मित्तल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक व मात्रात्मक शोध पर केंद्रित कार्यशाला शुरु

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सोमवार से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक व मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ो की प्रांसगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हो। आंकड़े किसी भी शोध का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। शोध की प्रमाणिकता आंकड़ें एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं। प्रो. मित्तल ने अपने संबोधन में शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोध कार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्यक है।

प्रो. राजकुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेंवि

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल व मुख्य संरक्षक के रूप में हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़े तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु व डॉ. खेराज मौजूद रहे।

हकेंवि में आकाशगंगा के रहस्य और विकास पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सोमवार से आकाशगंगा के गठन और विकास विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। आईयूका पुणे के द्वारा आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने आकाशगंगा और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए करते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। विश्वविद्यालय स्तर पर साइंटिफिक एविडेंस ऑफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टीआर शेषाद्रि उपस्थित रहे। कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। संवाद

हकेंवि में आकाशगंगा के रहस्य और विकास पर कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सोमवार से आकाशगंगा के गठन और विकास विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। आईयूका पुणे के द्वारा आयोजित कार्यशाला का उद्‌घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने आकाशगंगा और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए करते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। विश्वविद्यालय स्तर पर साइंटिफिक एविडेंस ऑफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी। आयोजन के उद्‌घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टीआर शेषाद्रि उपस्थित रहे। कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। संवाद

हकेंवि : शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में सोमवार को सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रासंगिकता तभी उपयोगी होती है। जबकि वह आंकड़े गुणवत्तापूर्ण हों। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। जिसके बाद कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़े तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु, व डॉ. खेराज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का किया उल्लेख

प्रो. टी.आर. शेषाद्रि को पुष्प गुच्छ भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेंवि में 'आकाश गंगाओं के गठन और विकास' पर कार्यशाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार से 'आकाश गंगाओं के गठन और विकास' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई। आईयूका पुणे के सौजन्य से प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डीयू के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टी.आर शेषाद्रि उपस्थित रहे।

विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। कुलपति ने अपने संबोधन में आकाश गंगाओं और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए कहते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। विवि स्तर पर साइंटिफिक एविडेंस ऑफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. टी.आर. शेषाद्रि ने आकाश गंगाओं से जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराया। आयोजन में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान और विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला के संयोजक डॉ. जसवंत ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में हकेंवि सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रतिदिन प्रतिभागियों को अलग-अलग विशेषज्ञों के माध्यम से खगोल भौतिकी से जुड़े विषयों को जानने-समझने का अवसर प्रदान किया जाएगा

शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके मित्तल का स्वागत करते प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रासंगिकता तभी उपयोगी होती है, जबकि वह आंकड़े गुणवत्तापूर्ण हो। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं।

उन्होंने शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोध कार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्य है। आंकड़े किसी भी शोध का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और शोध की प्रमाणिकता आंकड़े एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। इसलिए आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागी इस क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों से इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे और उनका उपयोग भविष्य में करेंगे।

कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। जिसके बाद कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़े तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डा. सुमन व प्रोग्राम सचिव डा. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अमन वर्मा, डा. अजय कुमार, डा. रविंद्र कौर, डा. रश्मि तंवर, डा. रेनु, व डा. खेराज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

आकाश गंगाओं के गठन और विकास पर कार्यशाला आरंभ

- भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी
- विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), में सोमवार से आकाश गंगाओं के गठन और विकास विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई। आईयूका, पुणे के द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला से सीधा अभिप्राय है कि ऐसा आयोजन जिसमें प्रतिभागी उपलब्ध ज्ञान की जानकारी के साथ-साथ उसके व्यवहारिक पक्ष को भी जानते समझते हैं। यह कार्यशालाएं निश्चित रूप से प्रतिभागियों के लिए भविष्योपयोगी होती हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टीआर शेषाद्रि उपस्थित रहे। कार्यशाला के आरंभ में कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला के विषय की जानकारी दी।

उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके पश्चात आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर भविष्य में शोध के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। कार्यशाला के आरंभ में कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला के विषय की जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर गठित नक्षत्र क्लब की गतिविधियों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। इसके पश्चात आयोजन में सम्मिलित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परिणाम केंद्रित अध्ययन पर जोर दिया।

प्रो. टीआर शेषाद्रि को सम्मानित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

वैज्ञानिक पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया

कुलपति ने आकाश गंगाओं और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। विश्वविद्यालय स्तर पर साइंटिफिक एविडेंस आफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. टीआर शेषाद्रि ने अपने संबोधन में विस्तारपूर्वक आकाश गंगाओं के गठन और उनके विकास पर प्रकाश डाला और उससे जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान और विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। संयोजक डा. जसवंत ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में हकेंवि सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यशाला में प्रतिदिन प्रतिभागियों को अलग-अलग विशेषज्ञों के माध्यम से खगोल भौतिकी से जुड़े विषयों को जानने-समझने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

हकेंवि में सामाजिक विज्ञान पर केंद्रित कार्यशाला शुरु

महेंद्रगढ़ ,18 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रासंगिकता तभी उपयोगी होती है जब आंकड़े गुणवत्तापूर्ण हों। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण दिया। कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने भी अपने विचार रखे। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु, व डॉ. खेराज सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 19 March 2024
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में आकाश गंगाओं पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. टी.आर शेषाद्रि का स्वागत करते कुलपति टंकेश्वर कुमार। -हप्र

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को 'आकाश गंगाओं के गठन और विकास' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई। आईयूका, पुणे द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया और कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगी। विशेषज्ञ दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. टी.आर शेषाद्रि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यशाला की चेयरपर्सन व विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव मौजूद रहीं। कुलपति ने आकाश गंगाओं और उनके रहस्यों का उल्लेख करते हुए करते हुए कहा कि अध्ययन व शोध का यह क्षेत्र हर किसी के लिए जिज्ञासा का केंद्र बना रहता है। साइंटिफिक एविडेंस ऑफ रामायण नामक कोर्स का उल्लेख करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नक्षत्रों और उनके माध्यम से काल गणना की तकनीक का उल्लेख किया।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 19 March 2024
https://epaper.dainiktribune

हकेंवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रासंगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हों। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं। प्रो. मित्तल ने अपने संबोधन में शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोध कार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्य है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। आंकड़ें किसी भी शोध का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और शोध की प्रमाणिकता आंकड़ें एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। इसलिए आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागी इस क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों से इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे और उनका उपयोग भविष्य में करेंगे।

महेंद्रगढ़। प्रो. राजकुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। *फोटो : हरिभूमि*

बदलते समय में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है : प्रो. मित्तल

हकेवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 18 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार 18 मार्च से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा ¬प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रांसगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हों। आज के समय में जब हम बात सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों में शोध प्रविधि के विषय में करते हैं तो जरूरी हो जाता है कि हम समस्या को समझें और फिर शोध करते हुए निष्कर्ष के रूप में समस्या का समाधान भी उपलब्ध कराएं।

प्रो. राजकुमार मित्तल को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए कुलपति।

प्रो. मित्तल ने अपने संबोधन में शोध के दौरान आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयुक्त होने वाले टूल्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और ऐसे में सही टूल्स का उपयोग रिसर्च कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने में मददगार होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से शोधकार्य के सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना शोधार्थी के लिए आवश्य है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। आंकड़ें किसी भी शोध का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और शोध की प्रमाणिकता आंकड़ें एकत्र करने, शोध की प्रविधि और आंकड़ों के मूल्यांकन हेतु प्रयोग किए जाने वाले टूल्स पर निर्भर करती है। इसलिए आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागी इस क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों से इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे और उनका उपयोग भविष्य में करेंगे। कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। जिसके बाद कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़ें तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सहनिदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमन वर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. रेनु, व डॉ. खेराज सहित काफी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य व पर्यावरण पर स्थायी समाधान के लिए हुआ मंथन

हकेंवि में मिलेट्स प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन पर कार्यशाला आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए स्थायी समाधान प्राप्त करने में मिलेट्स की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

कुलपति ने कहा कि भाषा की तरह देश में खानपान के स्तर पर विविधता देखने को मिलती है। अलग-अलग स्थान पर खान के अलग-अलग रूप हैं ऐसे में जब बात मोटे अनाज की आती है तो यह पोषण का भंडार है। इसके उपयोग के लिए आमजन को जागरूक करना और उन्हें मोटे अनाज की गुणवत्ता से अवगत कराना होगा। कार्यशाला में रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के शिक्षा निदेशक डॉ. अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. अनिल कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

पादप अजैविक तनाव और विशलेषण के तरीके बताए

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जैव रसायन विभाग द्वारा पादप अजैविक तनाव और विश्लेषण के तरीके पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। आयोजन में मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी) के वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी ने चावल की नई किस्म पैदा करने के बारे में प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी-प्रयोगशाला से भूमि तक अवधारणाओं और दृष्टिकोण पर अपनी बात रखी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अजैविक तनाव के बदलते परिदृश्य के तहत सतत कृषि के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया है।

डॉ. अनिल कुमार ने स्वास्थ्य के लिए स्थायी समाधान प्राप्त करने में मिलेट्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला की संयोजक डॉ. सविता बुधवार ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रतिभागियों से साझा की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय डॉ. तेजपाल ढेवा ने तथा मुख्य अतिथि का परिचय विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने प्रस्तुत किया।

विश्व को शून्य, योग और शल्य चिकित्सा भारत की देन : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ के संस्कृत विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा में अर्थशास्त्र की उपादेयता विषय पर विश्वविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने उद्‌बोधन में प्राचीन संस्कृत साहित्य में प्राप्त विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों पर शोधकार्य करने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में वर्णित भारतीय ज्ञान परंपरा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि विश्व को शून्य, योग, शल्य-चिकित्सा आदि भारत की देन है।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सुनीता सैनी ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं अर्थशास्त्र शब्दों के गूढ़ अर्थों को प्रतिपादित किया। उन्होंने कौटिल्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र को प्राचीनकालीन शोध बताते हुए आधुनिक युग में भी इससे प्रेरणा लेने की बात कही। अंत में कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमन रानी ने सभी के लिए कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्तुत किया।

स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मंगलवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर बिजनेस स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रो. मूल चंद सभागार में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित डॉ. बीआर आंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सोनीपत, लिंगायस विद्यापीठ फरीदाबाद आदि विश्वविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शिक्षा, सूचना, तकनीकी, मेडिकल, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों से संबंधित बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए गए।

हकेंवि में प्लांट स्ट्रेस केंद्रित कार्यशाला

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में जैव रसायन विभाग द्वारा 'पादप अजैविक तनाव और विश्लेषण के तरीके' पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। मुख्य अतिथि आईएचबीटी वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी ने चावल की नई किस्म पैदा करने के बारे में प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी-प्रयोगशाला से भूमि तक अवधारणाओं और दृष्टिकोण पर अपनी बात रखी। शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने 'अजैविक तनाव के बदलते परिदृश्य के तहत सतत कृषि के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया है। बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के संचालन के लिए अध्यक्ष डॉ. सौरभ सक्सेना को डीएसटी-एसईआरबी-एक्सी लरेट विज्ञान कार्यशाला योजना से वित्त प्राप्त हुआ है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मुलका मारुति, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. नीलम ने सक्रिय भागीदारी की।

हकेवि में प्लांट स्ट्रेस केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जैव रसायन विभाग द्वारा ÷पादप अजैविक तनाव और विश्लेषण के तरीके पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और जैव रसायन विभाग के प्रयासों की सराहना की। आयोजन में मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी) के वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी ने चावल की नई किस्म पैदा करने के बारे में प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी-प्रयोगशाला से भूमि तक अवधारणाओं और दृष्टिकोण पर अपनी बात रखी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने 'अजैविक तनाव के बदलते परिदृश्य के तहत सतत कृषि के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया है।

बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के संचालन के लिए अध्यक्ष डॉ. सौरभ सक्सेना को डीएसटी-एसईआरबी-एक्सीलरेट विज्ञान कार्यशाला योजना से वित्त प्राप्त हुआ है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मुलका मारुति, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. नीलम ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

यूजीसी की राजभाषा समिति ने किया हकेंवि का निरीक्षण

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषा निरीक्षण किया। यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव दीपक वत्स व उपसचिव डा. शालिनी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही राजभाषाई निरीक्षण समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की

कुलपति प्रो. टंकेश्वर यूजीसी समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए ● सौ. प्रवक्ता

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी, हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई।

दीपक वत्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुख्यतः राजभाषा नियमों की अनुपालना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए संबंधित अनुभागों को सुझाव भी दिए गए है। इसी क्रम में डॉ. शालिनी ने हिंदी अनुवाद के लिए विभिन्न टूल्स के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया और राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व राजभाषा नियम पांच के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

यूजीसी की समिति ने किया हकेवि राजभाषाई निरीक्षण

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषाई निरीक्षण किया। यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव श्री दीपक वत्स व उपसचिव डॉ. शालिनी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही राजभाषाई निरीक्षण समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी, हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई। जिसमें हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी की अगुवाई में यूजीसी से आए समिति सदस्यों ने क्रमवार प्रशासनिक अनुभागों का दौरा किया और जमीनी स्तर पर लागू विभिन्न प्रयासों को देखने के बाद राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत कर्मचारियों को सुझाव दिए। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने सभी प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय प्रमुखों का मार्गदर्शन किया। श्री दीपक वत्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुख्यतः राजभाषा नियमों की अनुपालना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए संबंधित अनुभागों को सुझाव भी दिए गए है। इसी क्रम में डॉ. शालिनी ने हिंदी अनुवाद हेतु विभिन्न टूल्स के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया और राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व राजभाषा नियम 5 के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रयासरत हैं और इस दिशा में उनके सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देने के साथ-साथ अध्ययन, अध्यापन व शोध के स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उपस्थित समिति सदस्यों को आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने निरीक्षण समिति के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशन व मार्गदर्शन में उनके द्वारा दिए गए सभी सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय होने के नाते हिंदी के क्रियान्वयन के प्रति हमारा दायित्व महत्त्वपूर्ण है और हम इसके लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार होने ने निश्चित ही नवाचार व सृजनात्मकता को बल मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार ने प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय में राजभाषा के क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन में हिंदी अनुवाद अजित कुमार, हिंदी टंकक मनीष कुमार सहित हिंदी विभाग के शोधार्थी गायत्री, योगेश, सरिता व हिंदी विभाग के विद्यार्थी संदीप, रिंकू, अजय आदि सक्रिय भागीदारी की।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Narnaul - 23 Mar 2024 - Page 4

हाइपोविटामिनोसिस-डी पर 7 दिवसीय कार्यशाला

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के समापन सत्र के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

■ पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा किया गया आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा हाइपोविटामिनोसिस-डी के आंकलन व प्रबंधन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला में देशभर से 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास बढ़ाने में इस तरह के आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में अपने संबोधन में कार्यशाला के महत्त्व पर प्रकाश डाला। गैर-संचारी रोगों से विटामिन-डी के संबंध पर जोर दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने कहा कि बहुत संख्या में लोग इस मूक महामारी का सामना कर रहे हैं। विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करके इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

हाइपोविटामिनोसिस डी पर सात दिवसीय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़, 22 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा हाइपोविटामिनोसिस डी के आंकलन व प्रबंधन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला में देशभर से 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कुलपति टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास बढ़ाने में इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया। रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कार्यशाला के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गैर-संचारी रोगों से विटामिन डी के संबंध पर जोर दिया और प्रतिभागियों को अपने अनुसंधान क्षेत्रों में सीखे गए कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने कहा कि बहुत संख्या में लोग इस मूक महामारी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करके इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यशाला आयोजक डॉ. अनीता कुमारी ने बताया कि आयोजन में केंद्रीय विवि. मिजोरम, दिल्ली विवि., आईएआरआई, नई दिल्ली, केएनएयू, राजस्थान, जीजेयू एसएंडटी, हिसार से सम्मिलित विशेषज्ञों ने एंथ्रोपोमेट्रिक माप, एलिसा तकनीक का उपयोग करके विटामिन डी के स्तर का अनुमान, कैल्शियम अनुमान, सीबीसी प्रोफाइलिंग, विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास, इसके पोषक तत्व प्रोफाइलिंग, संवेदी मूल्यांकन, जैव सूचनात्मक प्रशिक्षण जैसे अनुक्रम पुनर्प्राप्ति जैसे विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी।

यूजीसी की समिति ने किया हकेवि राजभाषाई निरीक्षण

नीलम शर्मा, पब्लिक एशिया

महेंद्रगढ़ » । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की दो सदस्यीय समिति ने राजभाषाई निरीक्षण किया। यूजीसी की ओर से इस समिति के सदस्य के रूप में संयुक्त सचिव श्री दीपक वत्स व उपसचिव डॉ. शालिनी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही राजभाषाई निरीक्षण समिति के इस दौरे से विश्वविद्यालय स्तर पर राजभाषा नीति के क्रियान्वयन को बल मिलेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी, हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक प्रो. बीरपाल सिंह यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक सहित विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के प्रमुख उपस्थित रहे।

राजभाषाई निरीक्षण की शुरुआत प्रशासनिक अनुभागों के भ्रमण के साथ हुई। जिसमें हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी की अगुवाई में यूजीसी से आए समिति सदस्यों ने क्रमवार प्रशासनिक अनुभागों का दौरा किया और जमीनी स्तर पर लागू विभिन्न प्रयासों को देखने के बाद राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में प्रयासरत कर्मचारियों को सुझाव दिए। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने सभी प्रशासनिक प्रमुखों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय प्रमुखों का मार्गदर्शन किया।

दीपक वत्स ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुख्यतः राजभाषा नियमों की अनुपालना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजभाषा के सफलतम क्रियान्वयन के लिए संबंधित अनुभागों को सुझाव भी दिए गए है। इसी क्रम में डॉ. शालिनी ने हिंदी अनुवाद हेतु विभिन्न टूल्स के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया और राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व राजभाषा नियम 5 के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समिति सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रयासरत हैं और इस दिशा में उनके सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देने के साथ-साथ अध्ययन, अध्यापन व शोध के स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उपस्थित समिति सदस्यों को आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने निरीक्षण समिति के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशन व मार्गदर्शन में उनके द्वारा दिए गए सभी सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय होने के नाते हिंदी के क्रियान्वयन के प्रति हमारा दायित्व महत्त्वपूर्ण है और हम इसके लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार होने ने निश्चित ही नवाचार व सृजनात्मकता को बल मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय की हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार ने प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय में राजभाषा के क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन में हिंदी अनुवाद अजित कुमार, हिंदी टंकक मनीष कुमार सहित हिंदी विभाग के शोधार्थी गायत्री, योगेश, सरिता व हिंदी विभाग के विद्यार्थी संदीप, रिंकू, अजय आदि सक्रिय भागीदारी की।

हकेंवि में 7 करोड़ से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

आठ लाइन के 400 मीटर ट्रैक का होगा निर्माण, जिलेभर के खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में 7 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सिंथेटिक ट्रैक के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है। केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। साथ ही खेल सुविधाओं के मूलभूत ढांचे के विकास के लिए पत्र भेजकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से सुझाव भी मांगे गए हैं।

गांव पाली के सरपंच देशराज के नेतृत्व में विकास व निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा के साथ एक दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह से मुलाकात की थी। सांसद ने आश्वासन दिया था कि विश्वविद्यालय परिसर में खेल संबंधित सुविधाओं व राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान खुलवाने का प्रयास करेंगे और इसके लिए गांव को अतिरिक्त जमीन देने की आवश्यकता नहीं होगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। स्रोत:हकेंवि

सांसद ने लोकसभा में उठाया था मुद्दा

सांसद ने लोकसभा में मामला उठाया था। इसके परिणामस्वरूप अब केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात करोड़ की लागत से 400 मीटर के आठ लाइन सिंथेटिक ट्रैक बनाएं जाने को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से ना सिर्फ केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों को लाभ होगा बल्कि आसपास के क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी इसका लाभ मिलेगा। साथ ही यहां राज्य व राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले आयोजित कराए जा सकेंगे। साथ ही केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में हकेंवि को 15 दिनों में सूचना भेजने के निर्देश भी दिए हैं।

दैनिक भास्कर
महेंद्रगढ़ भास्कर 24-03-2024

केविवि में 7 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक, स्वीकृति मिली

खेल की सुविधाओं के लिए विवि में आरक्षित की गई है 40 एकड़ जमीन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। केविवि में पढ़ने वाले विद्यार्थियों व एथलेटिक्स में रूचि रखने वाले लोगों को जल्द सिंथेटिक ट्रैक का लाभ मिलेगा। क्योंकि केविवि में 7 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाए जाने की मंजूरी मिल गई है।

बता दें कि केविवि में खेल संबंधित सुविधाओं को बढ़ाने एवं राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान खुलवाने के लिए गांव पाली के सरपंच देशराज के नेतृत्व में विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा के साथ कुछ महीने पहले लगभग एक दर्जन गांवों के सरपंचों ने सांसद से मुलाकात की थी। सांसद ने तब भरोसा दिलाया था कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के परिसर में खेल संबंधित सुविधाओं अथवा राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान खुलवाने का प्रयास करेंगे। इसके बाद सांसद लोकसभा में यह मामला उठाया था। जिसके परिणामस्वरूप अब केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 7 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाए जाने को मंजूरी मिली। सिंथेटिक ट्रैक बनने से न सिर्फ केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों को लाभ होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्र के खिलाड़ी भी इसका लाभ उठा सकेंगे। साथ ही इसके निर्माण के बाद यहां राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले आयोजित होने भी प्रारंभ होंगे। जिससे आसपास के खिलाड़ियों को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

बता दें कि सांसद की तरफ से विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखकर राष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम तथा राष्ट्रीय स्तर के ही कबड्डी, कुश्ती एवं बाक्सिंग के इंडोर स्टेडियम (मेट सहित) स्थापित करवाने का प्रपोजल बनाने के लिए पत्र लिखा हुआ है। यदि इनकी भी मंजूरी मिलती है तो केन्द्रीय विश्वविद्यालय की पहचान खेल के बड़े केन्द्र के रूप में भी स्थापित होगी।

सात करोड़ की लागत से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः इलाके के लिए खेल के क्षेत्र में सकारात्मक समाचार है। केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाये जाने को मंजूरी मिल गई है। अब केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाये जाने की राह आसान हो गई है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से न सिर्फ केंद्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों को लाभ होगा बल्कि आसपास के क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। अब यहां राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले आयोजित होने भी प्रारंभ होने की उम्मीद है जिससे आसपास के खिलाड़ियों को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में खेल संबंधित सुविधाओं में अगर बढ़ोतरी होती है तो इससे आसपास के जिलों को भी लाभ होगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल बढ़ेंगे।

केन्द्रीय विवि. में 7 करोड़ की लागत से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

महेंद्रगढ़, 23 मार्च (ब्यूरो): इलाके के लिए खेल के क्षेत्र में सकारात्मक समाचार है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 7 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाये जाने को मंजूरी मिल गई है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय में खेल संबंधित सुविधाओं को बढ़ाने एवं राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान खुलवाने के लिए गाँव पाली के सरपंच देशराज के नेतृत्व में विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा के साथ कुछ महीने पहले लगभग एक दर्जन गाँवों के सरपंचों ने सांसद से मुलाकात की थी।

सांसद ने तब भरोसा दिलाया था कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के परिसर में खेल संबंधित सुविधाओं अथवा राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान खुलवाने का प्रयास करेंगे और इसके लिए गाँव को अतिरिक्त जमीन देने की आवश्यकता बिल्कुल नहीं है। सांसद ने लोकसभा में अधिनियम 377 के तहत मामला उठाया था और जिसके परिणामस्वरूप अब केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 7 करोड़ की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाये जाने को मंजूरी मिल गई है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से ना सिर्फ केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों को लाभ होगा बल्कि आसपास के क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। अब यहां राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले आयोजित होने भी प्रारंभ होने की उम्मीद है जिससे आसपास के खिलाड़ियों को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

खेल संबंधित सुविधाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आरक्षित कर दी गई है 40 एकड़ जमीन

विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में खेल संबंधित सुविधाओं में अगर बढ़ोतरी होती है तो इससे आसपास के जिलों को भी लाभ होगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल बढ़ेंगे। सांसद ने विवि. के कुलपति को पत्र लिखकर राष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम तथा राष्ट्रीय स्तर के ही कबड्डी, कुश्ती एवं बाक्सिंग के इंडोर स्टेडियम (मेट सहित) स्थापित करवाने का प्रपोजल भी जल्द से जल्द भेजने की बात कही है। इन सभी खेल सुविधाओं के शुरू होने के बाद केंद्रीय विश्वविद्यालय की पहचान खेल के बड़े केन्द्र के रूप में भी स्थापित होगी।

■ सांसद ने अधिनियम 377 के तहत लोकसभा में उठाया था मुद्दा

पोषण जीव विज्ञान व भौतिकी एवम् खगोल भौतिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग एवं भौतिक एवम् खगोल भौतिक विभाग के संयुक्त तत्वाधान में श्री अन्न के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में देशभर के विभिन्न संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। डीएसटी एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित कार्यशाला के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए इस तरह के आयोजन को बेहद महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने श्रीअन्न को प्रसिद्ध बनाने के लिए दोनों विभागों को प्रयासों की सराहना की। विश्वविद्यालय के भौतिक एवं खगोल भौतिकी विभाग के विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने श्री अन्न को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण अन्न बताया। विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर नीलम सांगवान ने श्री अन्न को मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रोफेसर सुनील कुमार ने श्री अन्न के द्वारा बनाए गए भोज्य पदार्थों में रेडियोएक्टिव विकिरणों के महत्व को उनके गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने शोध एवं अनुसंधान कार्य में सीखे गए कौशल को विकसित करने व प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.पवन मौर्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला की आयोजक डॉ. सविता बुधवार ने आयोजन में देश के विभिन्न संस्थाओं से सम्मिलित विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों से श्री अन्न के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय हिसार, राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, जालंधर, रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय आदि संस्थानों के विशेषज्ञ उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कांति प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री अंशु राणा ने किया।

हकेवि में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में प्रतिभागियों के साथ कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक। आज समाज

हकेंवि में सात दिवसीय कार्यशाला का समापन, 25 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

हकेवि में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में प्रतिभागियों के साथ कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के पोषण जीव विज्ञान विभाग एवं भौतिक एवं खगोल भौतिक विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्रीअन्न के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में देशभर के विभिन्न संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। डीएसटी एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित कार्यशाला के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए इस तरह के आयोजन को बेहद महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने श्रीअन्न को प्रसिद्ध बनाने के लिए दोनों विभागों की प्रयासों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के भौतिक एवं खगोल भौतिकी विभाग के विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने श्री अन्न को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण अन्न बताया। विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर नीलम सांगवान ने श्री अन्न को मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रोफेसर सुनील कुमार ने श्री अन्न के द्वारा बनाए गए भोज्य पदार्थों में रेडियोएक्टिव विकिरणों के महत्व को उनके गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक बताया। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.पवन मौर्या विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच का संचालन पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री अंशु राणा ने किया।

फॉरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर होगा काम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का एनएफएसयू संग हुआ समझौता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है। समझौता ज्ञापन पर प्रो. (डॉ.) एसओ जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू, गांधीनगर और प्रो. टंकेश्वर कुमार कुलपति हकेंवि की ओर से सतीश कुमार, डीन, स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व एसएल शर्मा, उप कुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा। यह एमओयू शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास के माध्यम से पारस्परिक अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा।

एनएफएसयू के कैंपस निदेशक, प्रो. डॉ. एसओ जुनारे ने कहा कि हकेंवि के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फॉरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेंवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं।

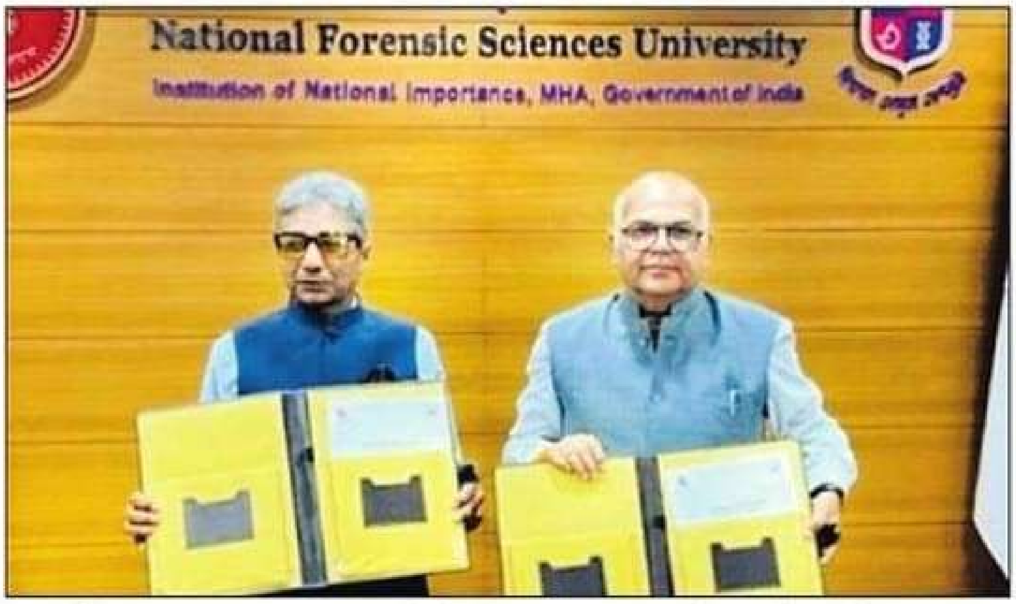

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. एसओ जुनारे। स्रोत : हकेंवि

फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में एनएफएसयू के साथ मिलकर काम करेगा हकेंवि

▪ अनुसंधान, अध्ययन व शोध के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर (डॉ.) एस.ओ. जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू, गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर (डॉ.) सतीश कुमार, डीन, स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व एसएल शर्मा, उप कुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा।

बता दें कि एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेंवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है।

'फोरेंसिक साइंस की संभावनाओं में वृद्धि करना है'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर डा. एस.ओ. जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू, गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर डा.

समझौता ज्ञापन के दौरान प्रो . टंकेश्वर कुमार व प्रो .एसओ जुनारे • सौ. प्रवक्ता

सतीश कुमार, डीन, स्कूल आफ फोरेंसिक साइंस व एसएल शर्मा, उप कुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा। इससे शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास से संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा। एनएफएसयू के कैंपस निदेशक, प्रो. डा. एसओ जुनारे ने कहा कि हकेंवि के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यहां बता दें कि एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेंवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में एनएफएसयू के साथ मिलकर करेगा काम

अध्ययन, शोध व अनुसंधान के लिए दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर।

सुरेंद्र चौधरी, गुडगांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर (डॉ.) एस.ओ. जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू, गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर (डॉ.) सतीश कुमार, डीन, स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व श्री एसएल शर्मा, उप कुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा। यह एमओयू शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास के माध्यम से पारस्परिक अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा। इस साझेदारी के विषय में में एनएफएसयू के कैंपस निदेशक, प्रो. (डॉ.) एस.ओ. जुनारे ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यहां बता दें कि एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है।

अध्ययन, शोध व अनुसंधान के लिए किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

फोरेंसिक साइंस में एनएफएसयू के साथ काम करेगा हकेंवि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है।

महेंद्रगढ़। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. एसओ जुनारे। फोटो : हरिभूमि

समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर डॉ. एसओ. जुनारे कैंपस निदेशक एनएफएसयू गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार, डीन स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व एसएल शर्मा, उपकुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा।

ढांचागत सुविधाओं का होगा विस्तार

यह एमओयू शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास के माध्यम से पारस्परिक अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा। इस साझेदारी के विषय में में एनएफएसयू के कैंपस निदेशक प्रो. डॉ. एसओ जुनारे ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यहां बता दें कि एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्त्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेंवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं।

CUH signed MoU with NFSU

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and National Forensic Science University (NFSU), Gandhinagar have signed MoU on collaboration in Digital, Cyber and Psychological ForensicScience. Prof. Tankeshawar Kumar expressed that this partnership aims at executing enhancement in the Forensic Science research, education and training. The MoU was signed by the Prof.(Dr.) S.O.Junare, Campus Director, NFSU and Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana in the presence of Prof.(Dr.) Satish Kumar, Dean, School of Forensic Science and Mr. SL Sharma, Deputy Registrar, NFSU.Prof Tankeshawar Kumar said that this MOU will facilitate a close cooperation and collaboration between both the institutions This MOU will promote and strengthen research and academic activities of joint mutual interest including exchange of students, training and organizing national seminars/workshops, sharing of knowledge, skills resources, research and infrastructural facilities, etc. Speaking about the partnership, Prof.(Dr.) S.O. Junare Campus Director, NFSU said, "Through this partnership, with Central University of Haryana, we aim in promoting excellence in Digital, Cyber and Psychological Forensic Science excellence in the field of Forensic Science. CUH is a Central University engaged in imparting education to UG, PG, and doctoral program.

Last date of application for UG Programmes in CUH extended

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH :Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has extended the last date of application for admission to Undergraduate (UG) programs for the academic session 2024-25. The last date for applying for postgraduate programs has been extended from March 26 to March 31, 2024 under Common University Entrance Test (CUET) UG 2024. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that with the extended date for application, more applicants will get the opportunity to get admission in the University. The Common University Entrance Test is being organized by the University Grants Commission (UGC) for various universities for admission to undergraduate courses through the National Testing Agency (NTA). Under which the online application process for the entrance examination to be conducted for admission to Postgraduate courses now will continue till March 31, 2024. A total of 11 UG Programmes are available in the academic session 2024-25 under CUET. Students desirous of admission to these courses can now apply through online mode till March31, 2024 Online Application and other details are available onhttps://exams.nta.ac.in/CUET-UG/or www.cuh.ac.in.

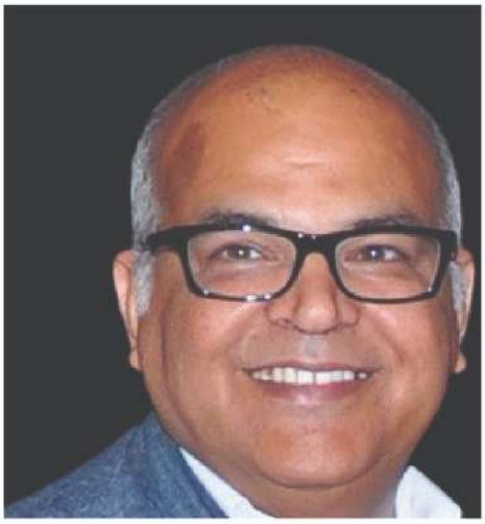

THE VICE CHANCELLOR OF THE UNIVERSITY PROF. TANKESHWAR KUMAR SAID THAT WITH THE EXTENDED DATE FOR APPLICATION, MORE APPLICANTS WILL GET THE OPPORTUNITY TO GET ADMISSION IN THE UNIVERSITY.

महिलाओं का पुरुषों को पीछे छोड़ना बदलाव का परिचायक

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का वीरवार को समापन किया गया। महिला सशक्तीकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलती है और इसके माध्यम से हम समाज को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि ग्रामीण संस्कृति, ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण हरियाणा में महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में कुछ लोगों की अलग मानसिकता देखने को मिलती है।

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब समाज परिवर्तित हो रहा है। बहुत से क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है जो बदलते समाज का सबसे बड़ा परिचायक है। प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम योगदान है। शिक्षा के माध्यम से महिला अबला से सबला बन सकती है। समापन सत्र की शुरुआत सेमिनार की संयोजक डॉ. टी लोंग्कोई की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी, डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र पर शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अतिथि। संवाद

दैनिक भास्कर

महेंद्रगढ़ भास्कर 29-03-2024

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

समाज में आर्थिक, सामाजिक व लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद को समझाया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को समापन हो गया।

महिला सशक्तीकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय सम्मेलन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. खजान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा किए। दूसरे मुख्य वक्ता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। सेमिनार की शुरुआत संयोजक डॉ. टी. लोंग्कोई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई।

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ. टी. लोंग्कोई।

समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी व डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र के अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अध्ययन, शोध व अनुसंधान के लिए किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

फोरेंसिक साइंस में एनएफएसयू के साथ काम करेगा हकेंवि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है।

महेंद्रगढ़। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. एसओ जुनारे। फोटो : हरिभूमि

समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर डॉ. एसओ. जुनारे कैंपस निदेशक एनएफएसयू गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार, डीन स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व एसएल शर्मा, उपकुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा।

ढांचागत सुविधाओं का होगा विस्तार

यह एमओयू शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास के माध्यम से पारस्परिक अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा। इस साझेदारी के विषय में में एनएफएसयू के कैंपस निदेशक प्रो. डॉ. एसओ जुनारे ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यहां बता दें कि एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेंवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं।

CUH signed MoU with NFSU

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh and National Forensic Science University (NFSU), Gandhinagar have signed MoU on collaboration in Digital, Cyber and Psychological ForensicScience. Prof. Tankeshawar Kumar expressed that this partnership aims at executing enhancement in the Forensic Science research, education and training. The MoU was signed by the Prof.(Dr.) S.O.Junare, Campus Director, NFSU and Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana in the presence of Prof.(Dr.) Satish Kumar, Dean, School of Forensic Science and Mr. SL Sharma, Deputy Registrar, NFSU.Prof Tankeshawar Kumar said that this MOU will facilitate a close cooperation and collaboration between both the institutions This MOU will promote and strengthen research and academic activities of joint mutual interest including exchange of students, training and organizing national seminars/workshops, sharing of knowledge, skills resources, research and infrastructural facilities, etc. Speaking about the partnership, Prof.(Dr.) S.O. Junare Campus Director, NFSU said, "Through this partnership, with Central University of Haryana, we aim in promoting excellence in Digital, Cyber and Psychological Forensic Science excellence in the field of Forensic Science. CUH is a Central University engaged in imparting education to UG, PG, and doctoral program.

Last date of application for UG Programmes in CUH extended

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH :Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has extended the last date of application for admission to Undergraduate (UG) programs for the academic session 2024-25. The last date for applying for postgraduate programs has been extended from March 26 to March 31, 2024 under Common University Entrance Test (CUET) UG 2024. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that with the extended date for application, more applicants will get the opportunity to get admission in the University. The Common University Entrance Test is being organized by the University Grants Commission (UGC) for various universities for admission to undergraduate courses through the National Testing Agency (NTA). Under which the online application process for the entrance examination to be conducted for admission to Postgraduate courses now will continue till March 31, 2024. A total of 11 UG Programmes are available in the academic session 2024-25 under CUET. Students desirous of admission to these courses can now apply through online mode till March31, 2024 Online Application and other details are available onhttps://exams.nta.ac.in/CUET-UG/or www.cuh.ac.in.

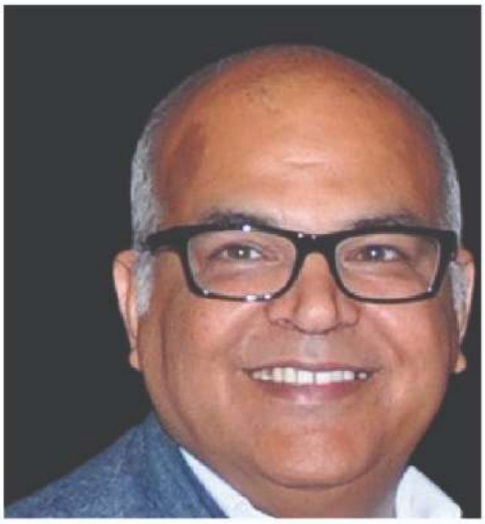

THE VICE CHANCELLOR OF THE UNIVERSITY PROF. TANKESHWAR KUMAR SAID THAT WITH THE EXTENDED DATE FOR APPLICATION, MORE APPLICANTS WILL GET THE OPPORTUNITY TO GET ADMISSION IN THE UNIVERSITY.

महिलाओं का पुरुषों को पीछे छोड़ना बदलाव का परिचायक

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

सेमिनार के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अतिथि। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का वीरवार को समापन किया गया। महिला सशक्तीकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलती है और इसके माध्यम से हम समाज को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि ग्रामीण संस्कृति, ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण हरियाणा में महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में कुछ लोगों की अलग मानसिकता देखने को मिलती है।

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब समाज परिवर्तित हो रहा है। बहुत से क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है जो बदलते समाज का सबसे बड़ा परिचायक है। प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम योगदान है। शिक्षा के माध्यम से महिला अबला से सबला बन सकती है। समापन सत्र की शुरुआत सेमिनार की संयोजक डॉ. टी लोंग्कोई की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी, डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र पर शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

महेंद्रगढ़ भास्कर 29-03-2024

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

समाज में आर्थिक, सामाजिक व लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद को समझाया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को समापन हो गया।

महिला सशक्तीकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय सम्मेलन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. खजान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा किए। दूसरे मुख्य

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ. टी. लोंग्कोई।

वक्ता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। सेमिनार की शुरुआत संयोजक डॉ. टी. लोंग्कोई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई।

समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी व डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र के अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को समापन हो गया। महिला सशक्तिकरण और सतत विकासः मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलती है और इसके माध्यम से हम समाज को बेहतर ढ़ंग से समझ सकते हैं। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि ग्रामीण संस्कृति, ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण हरियाणा में महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में कुछ लोगों की अलग मानसिकता देखने को मिलती है। प्रो. खजान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब समाज परिवर्तित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत से क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है जो बदलते समाज का सबसे बड़ा परिचायक है। आयोजन में दूसरे मुख्य वक्ता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम योगदान है। शिक्षा के माध्यम से महिला अबला से सबला बन सकती है। समापन सत्र की शुरुआत सेमिनार की संयोजक डॉ. टी. लोंग्कोई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समापन सत्र के दौरान मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी व डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र के अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Conclusion of Two-Day National Seminar at Haryana Central University(CUH)

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : The two-day National Seminar concluded at Haryana Central University , Mahendragarh, sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi. The seminar, funded by the financial aid of the ICSSR, focused on a comparative study titled "Women Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study in the Context of Meghalaya and Haryana." The seminar was organized in collaboration with the University of Science and Technology, Meghalaya, and the Tripura Bembu and Ken Development Center.In the concluding session of the seminar, the chief guest was Professor Maitrayee Chaudhuri from Jawaharlal Nehru University, New Delhi, along with expert speakers from Maharshi Dayanand University, Rohtak, Professor Khajan Singh Sangwan, and Professor Jitendra Prasad.During the closing session, the chief guest, Professor Maitrayee Chaudhuri, elaborated on the significance of comparative studies in sociology. She emphasized how comparative studies aid in understanding the ongoing societal changes and enable a better understanding of society. Professor Khajan Singh Sangwan, the main speaker, discussed the status of women in Haryana, highlighting the unique challenges faced due to rural culture and background. He shared various examples and experiences indicating the changing societal dynamics where women are increasingly surpassing men in various fields, thereby becoming the primary agents of societal change. The other main speaker, Professor Jitendra Prasad, elaborated on the economic, social, and gender-based disparities prevailing among women and men in society. He emphasized the crucial role of education in women empowerment, stating that education empowers women to overcome adversity.

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन, देश भर से जुटे शिक्षक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) की ओर से आयोजित नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन हुआ। एक महीने तक चले इस कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. सुषमा यादव ने शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दक्षता कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम में कुल 96 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

हकेंवि के प्रो. संतोष सी हुलागबली, आईएएसआरआई के डॉ. दिनेश कुमार, एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा के पूर्व प्रमुख प्रो. एसके यादव, डॉ. मुंजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रीतिमहेश कुलकर्णी सहित अनेक विशेषज्ञों ने अनुसंधान और विकास, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व और शासन, कौशल विकास आदि विषयों पर व्याख्यान दिए। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों व विशेषज्ञों का धन्यवाद किया। डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित कुमार ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

शिक्षकों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए इस केंद्र की आवश्यकता पर दिया बल

ऑनलाइन माध्यम से हुए फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम में कुल 96 तकनीकी सत्रों का हुआ आयोजन

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन देश के संस्थानों से 25 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा नवनियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन हो गया। एक महीने तक चले इस कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दक्षता कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में कुल 96 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान हकेंवि के प्रो. संतोष सी. हुलागबली, आईएएसआरआई के डॉ. दिनेश कुमार, एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा के पूर्व प्रमुख प्रो. एस.के. यादव, डॉ. मुंजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रीति महेश कुलकर्णी सहित विभिन्न संस्थानों के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अनुसंधान और विकास, एएनआरएफ अधिनियम 2023 और एनईपी 2020: एचईआई की भूमिका, उच्च शिक्षा और समाज, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व और शासन, कौशल विकास आदि विषयों पर व्याख्यान दिए। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों व विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित कुमार ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Narnaul - 31 Mar 2024 - Page 4

हकेंवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन

- एक माह चला कार्यक्रम, ज्ञान बढ़ाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नवनियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन हो गया। एक महीने तक चले इस कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान

महेंद्रगढ़। गुरु दक्षता कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करती समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। फोटो: हरिभूमि

को बढ़ाने के लिए इस केंद्र की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दक्षता कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में कुल 96 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। हकेंवि प्रो. संतोष सी हुलागबली, आईएएसआरआई के डॉ. दिनेश कुमार, एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा के पूर्व प्रमुख प्रो. एसके यादव, डॉ. मुंजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रीतिमहेश कुलकर्णी सहित विभिन्न संस्थानों के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अनुसंधान और विकास, एएनआरएफ अधिनियम 2023 और एनईपी 2020: एचईआई की भूमिका, उच्च शिक्षा और समाज, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व और शासन, कौशल विकास पर व्याख्यान दिए। निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों व विशेषज्ञों का आभार जताया। डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित कुमार ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्नातक पाठ्यक्रमों में अब 31 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

2024-25 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल 11 स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

27

फरवरी से शुरू हुई थी दाखिला प्रक्रिया

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 31 मार्च तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल 11 स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 31 मार्च तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

आयोजन

हकेंवि में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू

सतत विकास के लिए महिला सशक्तीकरण जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

02
दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महिला सशक्तिकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अतिथि। स्रोत : हकेंवि

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्य वक्ता प्रो. पीसी जोशी ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में दिखने वाली विविधता अपने आप में अद्वितीय है। यह शोध कार्य भी ऐसी ही दो विविधताओं वाले राज्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खानपान से लेकर जीविकापार्जन व सांस्कृतिक मोर्चे पर हरियाणा, मेघालय में भारी अंतर देखने को मिलता है। अवश्य ही इस शोध के माध्यम से इस विषय से जुड़े विभिन्न पहलु सामने आएंगे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक प्रयासों पर भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तीकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। प्रो. राजेश गिल ने हरियाणा, मेघालय के स्तर पर महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए समान व्यवस्था विकसित करने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन ने जीविकापार्जन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित अपना व्याख्यान दिया और बताया कि किस तरह से उत्तर पूर्व में महिलाएं घर के मुखिया के रूप सशक्त रूप से सक्रिय हैं। समाजशास्त्र विभाग की शिक्षक प्रभारी डॉ. टी. लॉन्गकोई ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

डेटा संस्करण, निदान और प्रसंस्कर की सुविधा मिलेगी

संकाय सदस्यों के विकसित सौर निगरानी प्रणाली को मिला पेटेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. मुनीश मानस और डॉ. राजेश कुमार दुबे ने सौर निगरानी प्रणाली को पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस प्रणाली का उद्देश्य सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापना, डेटा संग्रह, निदान और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की उनके नवाचार के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नेशनल सोलर मिशन (एनएसएम) और द नेशनल मिशन फॉर ग्रीन इंडिया (जीआईएम) सहित जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना पर शोध व अनुसंधान करने के लिए कटिबद्ध है।

प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि यह प्रणाली इनवर्टर, इलेक्ट्रोमीटर, मेट्रोलॉजिकल उपकरण और फोटोवोल्टिक एरे सहित अन्य घटकों के साथ संचार स्थापित करती है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन की दक्षता और प्रबंधन में वृद्धि होती है। इसमें अत्याधुनिक डेटा संग्रह प्रौद्योगिकियों पर आधारित एक विशेष डेटा लॉगर वीबीबॉक्स की सुविधा भी है। इसके माध्यम से ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ वहन एवं प्रबंधन के क्षेत्र में बड़े एवं सकारात्मक बदलाव आएंगे।

155 किलोवाट फोटोवोल्टिक प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण में इसका सफल अनुप्रयोग इस प्रणाली की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

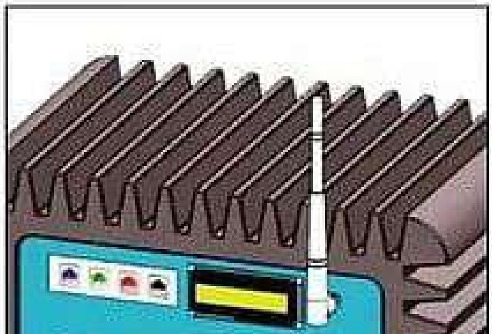

टीम की ओर से तैयार किया गया सौर निगरानी प्रणाली डिवाइस। संवाद

निगरानी और नियंत्रण में हुआ सफल अनुप्रयोग

उन्होंने बताया कि 155 किलोवाट फोटोवोल्टिक प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण में इसका सफल अनुप्रयोग इस प्रणाली की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर पीवीजीआईएस के पांचवें संस्करण का प्रयोग किया गया है। इस प्रणाली में त्रुटियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता है, जिससे फोटोवोल्टिक एरेज का निरंतर संचालन सुनिश्चित होता है। यह सौर निगरानी प्रणाली भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर की 31 मार्च तक

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है।

बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 31 मार्च तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल 11 स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 31 मार्च तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लॉगइन करें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा विकसित प्रणाली को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. मुनीश मानस और डॉ. राजेश कुमार दुबे ने सौर निगरानी प्रणाली को पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस प्रणाली का उद्देश्य सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापना, डेटा संग्रह, निदान और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की उनके नवाचार के लिए सराहना की।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नेशनल सोलर मिशन (एनएसएम) और द नेशनल मिशन फॉर ग्रीन इंडिया (जीआईएम) सहित जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना पर शोध व अनुसंधान करने के लिए कटिबद्ध है। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि यह प्रणाली इन्वर्टर, इलेक्ट्रोमीटर, मेट्रोलॉजिकल उपकरण और फोटोवोल्टिक एरे सहित अन्य घटकों के साथ संचार स्थापित करती है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन की दक्षता और प्रबंधन में वृद्धि होती है। इसमें अत्याधुनिक डेटा संग्रह प्रौद्योगिकियों पर आधारित एक विशेष डेटा लॉगर बीबीबॉक्स की सुविधा भी है। इस प्रणाली में त्रुटियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता है, जिससे फोटोवोल्टिक एरेज का निरंतर संचालन सुनिश्चित होता है। यह सौर निगरानी प्रणाली भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा।

कुलपति ने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूएसटीएम के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

स्नातक पाठ्यक्रमों में बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हकेंवि महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) आनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लागइन करें।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों में बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करवा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल 11 स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 28 March 2024
https://epaper.dainiktribu

महिला सशक्तीकरण और सतत विकास पर सेमिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नयी दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तीकरण और सतत विकास : मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून

हकेंवि द्वारा विकसित सौर निगरानी प्रणाली को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. मुनीश मानस और डॉ. राजेश कुमार दुबे द्वारा विकिसित सौर निगरानी प्रणाली को पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस प्रणाली का उद्देश्य सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापना, डेटा संग्रह, निदान और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की उनके नवाचार के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नेशनल सोलर मिशन (एनएसएम) और द नेशनल मिशन फॉर ग्रीन इंडिया (जीआईएम) सहित जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना पर शोध व अनुसंधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दैनिक ट्रिब्यून

महिला सशक्तिकरण से ही सतत विकास संभव

■ हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी)

महेंद्रगढ़। सेमिनार के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्यवक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

तकनीक सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापने की मिलेगी सुविधा

प्रणाली में त्रुटियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता

यूनिवर्सिटी के संकाय सदस्यों की विकसित प्रणाली को मिला पेटेंट

- एक विशेष डेटा लॉगर बीबीबॉक्स की सुविधा भी
- सॉफ्टवेयर पीवीजीआईएस के पांचवे संस्करण का प्रयोग किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. मुनीश मानस और डॉ. राजेश कुमार दुबे ने सौर निगरानी प्रणाली को पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस प्रणाली का उद्देश्य सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापना, डेटा संग्रह, निदान और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की उनके नवाचार के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नेशनल सोलर मिशन (एनएसएम) और द नेशनल मिशन फॉर ग्रीन इंडिया (जीआईएम) सहित जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना पर शोध व अनुसंधान करने के लिए कटिबद्ध है। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि यह प्रणाली इनवर्टर, इलेक्ट्रोमीटर, मेट्रोलॉजिकल उपकरण और फोटोवोल्टिक एरे सहित अन्य घटकों के साथ संचार स्थापित करती है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन की दक्षता और प्रबंधन में वृद्धि होती है। इसमें अत्याधुनिक डेटा संग्रह प्रौद्योगिकियों पर आधारित एक विशेष डेटा लॉगर बीबीबॉक्स की सुविधा भी है। उन्होंने बताया कि 155 किलोवाट फोटोवोल्टिक प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण में इसका सफल अनुप्रयोग इस प्रणाली की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर पीवीजीआईएस के पांचवे संस्करण का प्रयोग किया गया है। इस प्रणाली में त्रुटियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता है, जिससे फोटोवोल्टिक एरेज का निरंतर संचालन सुनिश्चित होता है। यह सौर निगरानी प्रणाली भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

महेंद्रगढ़ । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मै कैलाश पुत्र लीलाराम सैनी वासी वार्ड नं. 12 ग्राम नांगल चौधरी तह. नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विकास व उसकी पत्नी पूजा तथा मेरा पुत्र नवीन व उसकी पत्नी सुजाता मेरा कोई कहना नहीं मानते और अपनी मनमर्जी करते हैं। इसलिए मै इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा मेरी व मेरी पत्नी व बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

मै सुशीला पत्नी नेतराम मौहल्ला वाल्मीकी तालाब बहादुर सिंह नारनौल तह. नारनौल जिला महेद्रंगढ बयान करती हूं कि मेरा पुत्र आशीष व पुत्रवधु मनीषा अपनी मनमर्जी करते हैं और मेरी कोई बात नही मानते। इसलिए मै उनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में उनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रम में 31 मार्च तक करें ऑनलाइन आवेदन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की तिथि बढ़ी

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी, 2024 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च, 2024 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 31 मार्च, 2024 तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल 11 स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 31 मार्च, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लॉगइन करें।

नवोदय टाइम्स Thu, 28 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74814

सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी : वीसी

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। कुलपति ने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति टंकेश्वर कुमार व अतिथिगण।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. पी.सी. जोशी ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में दिखने वाली विविधता अपने आप में अद्वितीय है। यह शोध कार्य भी ऐसी ही दो विविधताओं वाले राज्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खानपान से लेकर जीविकापार्जन व सांस्कृतिक मोर्चे पर हरियाणा व मेघालय में भारी अंतर देखने को मिलता है। अवश्य ही इस शोध के माध्यम से इस विषय से जुड़े विभिन्न पहलु सामने आएंगे। उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक प्रयासों पर भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। आयोजन में सम्मिलित अतिथि प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तिकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रो. राजेश गिल ने हरियाणा व मेघालय के स्तर पर महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए समान व्यवस्था विकसित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाएं प्रबंधन के मामलें में हर तरह से अव्वल है। उन्हें आर्थिक व सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन ने अपने संबोधन में जीविकापार्जन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित अपना व्याख्यान दिया और बताया कि किस तरह से उत्तर पूर्व में महिलाएं घर के मुखिया के रूप सशक्त रूप से सक्रिय हैं।

आयोजन में आरंभ में समाजशास्त्र विभाग की शिक्षक प्रभारी डा. टी. लोंग्कोई ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विषय पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डा. तनवी भाटी व यूएसटीएम की डा. कुघाटोली आय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. युधवीर ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पायल चंदेल, प्रो. आनंद शर्मा, डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डा. अमन वर्मा, डा. रेनु यादव, डा. रश्मि तंवर, डा. पवन कुमार, डा. अरविंद तेजावत, डा. अभिरंजन सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।